हरिभूमि
झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि
रोहतक, सोमवार 25 मई 2026

11 तेज धूप से लौटने के तुरंत बाद ठंडे पानी का सेवन…

12 सिलानी गेट चौक से महाराजा अग्रसेन चौक तक की खस्ता हाल सड़क ने…

कॉलेजों में बीए, बीएससी बीकॉम, बीबीए और बीसीए स्नातक कक्षाओं के दाखिलों के लिए आवेदन जारी

अंतिम तिथि की प्रतीक्षा न करें विद्यार्थी आज ही भर दें फॉर्म : डॉक्टर अमित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

विभिन्न कॉलेजों में बीए, बीएससी, बीकॉम, बीबीए और बीसीए आदि स्नातक कक्षाओं के दाखिलों के लिए आवेदन जारी हैं। राजकीय स्नातकोत्तर नेहरू महाविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉक्टर अमित भारद्वाज ने बताया कि दाखिलों के आवेदन में केवल सात दिन बचे हैं। विद्यार्थी उच्चतर शिक्षा विभाग के एडमिशन पोर्टल admissions.higheredurhy.ac.in पर 31 मई तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

ज्यादा ट्रैफिक होने से सर्वर स्लो होने का जोखिम

डॉक्टर अमित भारद्वाज ने बताया कि विद्यार्थी अंतिम तिथि की प्रतीक्षा किए बिना, अपना आवेदन समय रहते कर दें ताकि अंतिम समय में किसी अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। कई बार अंतिम तिथि को आवेदकों की संख्या बहुत ज्यादा होने के कारण वेबसाइट पर अत्यधिक ट्रैफिक होने से सर्वर स्लो होने का आशंका रहती है। इससे समय पर आवेदन नहीं हो पाएगा या फॉर्म अधूरा रह सकता है।

रजिस्ट्रेशन नंबर और पासवर्ड याद रखें

डॉक्टर अमित भारद्वाज ने बताया कि विद्यार्थियों को उच्चतर शिक्षा विभाग के एडमिशन पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करना होगा। सभी दस्तावेज पहले से स्कैन कर तैयार रखें। अपना सही नाम, ईमेल आईडी और मोबाइल नंबर भरें क्योंकि इनको बाद में नहीं बदला जा सकता। अपना रजिस्ट्रेशन नंबर और पासवर्ड अच्छी तरह नोट कर लें क्योंकि सेकंड इयर और फाइनल इयर तक इसकी जरुरत पड़ती है। रजिस्ट्रेशन के बाद व्यक्तिगत विवरण, शिक्षा, वेटेज, दस्तावेज, कॉलेज और कोर्स भरे जाएंगे। इसके लिए अपने फोटो और सिग्नेचर की स्कैन कॉपी, दसवीं और बारहवीं कक्षा का सर्टिफिकेट, स्कूल से जारी मूल चरित्र प्रमाण पत्र, परिवार पहचान पत्र, आरक्षण का लाभ लेने के लिए उस कैटेगरी के जरूरी प्रमाण पत्र अपने साथ तैयार रखें।

पांच कॉम्बिनेशन भरने जरूरी

डॉक्टर अमित भारद्वाज ने बताया कि विद्यार्थी ध्यान से अपना ऑनलाइन आवेदन भरें। बीए जैसे जिन पाठ्यक्रमों में एक से ज्यादा सब्जेक्ट कॉम्बिनेशन हैं, वहां कम से कम पांच कॉम्बिनेशन भरने जरूरी हैं। यदि अभी बारहवीं का सर्टिफिकेट नहीं मिला है तो फॉर्म भरते समय ऑनलाइन रिजल्ट की कॉपी अपलोड कर सकते हैं। एक ही यूजर आईडी से अलग-अलग कॉलेजों के लिए आवेदन कर सकते हैं। हरियाणा से बाहर के विद्यार्थी अखिल भारतीय कोटे के तहत आवेदन कर सकते हैं।

आवेदन की हार्ड कॉपी सुरक्षित रखें

डॉक्टर अमित भारद्वाज ने बताया कि आवेदन भरने के बाद उसकी प्रिंट कॉपी और पीडीएफ सेव कर लें। फॉर्म सबमिट करने के बाद ईमेल और एसएमएस की पुष्टि अवश्य चेक करें। आवेदन की रजिस्ट्रेशन फीस 100 रुपए है। यदि विद्यार्थी अपने ऑनलाइन फार्म में कोई संशोधन करना चाहें तो 01 जून तक कर सकते हैं। पहली प्रोविजनल मेरिट लिस्ट 10 जून को जारी होगी ताकि कोई आपत्ति हो तो उसे दूर कर दिया जाए। पहली फाइनल मेरिट लिस्ट 11 जून को आयेगी। इस लिस्ट में जिन विद्यार्थियों का नाम आएगा, वे 12 जून से 15 जून तक फीस भर सकेंगे।

नेहरू कॉलेज में अब तक 374 आवेदन

डॉक्टर अमित भारद्वाज ने बताया कि राजकीय स्नातकोत्तर नेहरू महाविद्यालय में रविवार शाम तक यूजी कक्षाओं की 1200 सीटों के लिए 374 आवेदन किए गए हैं। इनमें से बीए की 480 सीटों के लिए 139, बीसीए की 80 सीटों के लिए 81, बीबीए की 80 सीटों के लिए 46, बीकॉम की 140 सीटों के लिए 35, बीएससी फिजिकल साइंस की 300 सीटों के लिए 25, बीएससी लाइफ साइंस की 80 सीटों के लिए 33 और बीएससी गणित की 40 सीटों के लिए 15 आवेदन किए गए हैं।

खबर संक्षेप

441 ग्राम गांजे सहित आरोपी गिरफ्तार

बहादुरगढ़। सीआईए-1 बहादुरगढ़ की टीम ने बादली क्षेत्र से एक आरोपी को 441 ग्राम गांजे सहित गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान कृष्णा निवासी दुल्हेड़ा के रूप में हुई है। उसके खिलाफ बादली थाने में एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है।

सीएम से मिले बालौर गांव के ग्रामीण

बहादुरगढ़। बालोर गांव के सरपंच राजेश यादव ने भाजपा नेता जसबीर सैनी के नेतृत्व में मुख्यमंत्री नायब सैनी से मुलाकात की। उन्होंने मुख्यमंत्री को गांव की समस्याओं से अवगत कराते हुए बताया कि बालोर गांव की 56 एकड़ जमीन का मामला अदालत में लंबित होने के बावजूद मार्किट कमेटी ने जमीन का इंतकाल अपने नाम करवा लिया है। सीएम ने इसकी निष्पक्ष जांच का आश्वासन दिया है। सरपंच राजेश यादव ने गांव के सामुदायिक केंद्र के ऊपर तल को बनवाने, गांव में जर्जर गलियां बनवाने, स्टेडियम में रनिंग ट्रेक, बास्केट बाल आदि सुविधाएं देने, पंचायत में आमदनी के लिए दुकाने बनाने व गांव के सरकारी स्कूल में बनने वाले 6 कमरे जल्द बनवाने की मांग की।

चिकित्सकों के बोर्ड से हुआ शैलेश का पोस्टमार्टम

बॉयलर ब्लास्ट : फैक्ट्री मालिक पर केस

मृतक के परिवार को आर्थिक मदद देने की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

बॉयलर ब्लास्ट में जान गंवाने वाले मजदूर शैलेश के शव का पुलिस ने रविवार को पोस्टमार्टम करा दिया। गमगीन हालात में परिजन शव को ले गए। मृतक के भाई की शिकायत पर इस संबंध में फैक्ट्री मालिक पर गैर इरादतन हत्या की धाराओं के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। मृतक के परिवार को आर्थिक मदद देने की भी मांग उठाई गई है। वहीं, हादसे में हादसे में घायल हुए पांचों श्रमिकों का भी इलाज जारी है। रविवार शाम तक इस संबंध में किसी की गिरफ्तारी नहीं हो पाई थी।

दरअसल, शुक्रवार को एमआईई स्थित गोंद बनाने वाली विकास हाई टेक एडहेसिव प्राइवेट लिमिटेड बॉयलर फट गया था। इस दौरान मौके से 5 श्रमिक झुलसी अवस्था में बरामद हुए, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। हादसे के बाद से एक युवक के लापता होने की बात सामने आई थी। फायर ब्रिगेड की टीम जाने के बाद खुद पुलिस ने मजदूर बुलाकर मलबे में सर्चिंग शुरू की। इस दौरान शनिवार की शाम को एक शव बरामद हुआ, जिसकी शिनाख्त शैलेश के तौर पर हुई। शैलेश के भाई सुमित के बयान दर्ज करने के बाद पुलिस ने रविवार को चिकित्सकों के बोर्ड से पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू कराई।

बहादुरगढ़। अस्पताल में मौजूद मृतक के परिजन। फोटो : हरिभूमि

ठेकेदार ने धमकाया

सुमित का कहना है कि गत 28 अप्रैल को ही उसका भाई गांव से यहां आया था और छोटूराम नगर में रह रहा था। जिस कंपनी में हादसा हुआ, उसमें पांच-छह दिन से मिस्त्री जयराम के साथ काम पर लगा था। गत 22 को वह काम पर गया, लेकिन रात को नहीं आया। अगली सुबह हमने तलाश शुरू की। पहले तो ठेकेदार ने हमें धमकाया। कुछ समय बाद दोबारा कॉल की तो उसने बताया कि फैक्ट्री में हादसा हो गया था। इसके बाद हम फैक्ट्री में गए तो वहां सब कुछ ध्वस्त था। पता लगा कि 4 श्रमिक पीजीआई और 1 जीवन ज्योति में भर्ती है। हम पीजीआई में भर्ती मिस्त्री जयराम से मिलने गए तो उसने बताया कि शायद शैलेश हादसे के दौरान निकल नहीं पाया। इसी दौरान हमें पुलिस से उसका शव मलबे में मिलने की सूचना मिली।

पत्नी को जीवनभर गुजारे का दिया जाए खर्च

सुमित ने कहा कि शैलेश का एक छोटा सा बच्चा है। उसकी पत्नी कैसे जीवन बिताएगी और बच्चे को पालेगी। प्रशासन से मांग है कि पीड़ित परिवार को मुआवजा, बच्चे की पढ़ाई का खर्चा, शव को बिहार ले जाने तक एंबुलेंस का खर्च और पत्नी को जीवनभर गुजारे का खर्च दिया जाए। शिकायत में यह भी आरोप है कि फैक्ट्री में सुरक्षा मानकों की कमी थी। आने-जाने का एक ही गेट है और केमिकल के काफी ड्रम रहते हैं। हादसा होने पर निकलने के लिए कोई दूसरा रास्ता नहीं है। हादसे के लिए फैक्ट्री मालिक, प्रबंधन जिम्मेदार है। उधर, एमआईई चौकी प्रभारी संदीप हुड्डा का कहना है कि केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मृतक श्रमिक के परिवार को मिले न्याय

ऑल इंडिया यूनाइटेड ट्रेड यूनियन सेंटर के राज्य कमेटी सदस्य सतीश कुमार ने विस्फोट का शिकार बने श्रमिक शैलेश कुमार के परिवार को न्याय दिलवाने की मांग की है। एमआईई की एक कंपनी में बॉयलर फटने की घटना में एक मजदूर की जान चली गई और पांच अन्य मजदूर घायल हुए। उनके अनुसार श्रम विभाग को रिपोर्ट तैयार करके सोंपनी चाहिए। दोषी मालिकों को दंडित किया जाना चाहिए। घायल मजदूरों को वेतनसहित पूरा फ्री इलाज कराना चाहिए। एसडीएम की अध्यक्षता में जांच कमेटी गठित की गई है। कई साल पहले भी ऐसे ही बॉयलर फटने की वजह से अनेक लोगों की जान चली गई थी। संगठन सरकार से मांग करता है कि हर छोटी व बड़ी कंपनी में नियमों का पालन सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

झज्जर। पोस्टमार्टम के दौरान अस्पताल परिसर में उपस्थित मृतका के परिजन।

मानसिक रूप से परेशान महिला ने लगाया फंदा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

गांव सिलाना में मानसिक रूप से परेशान एक महिला ने फांसी लगाकर जान दे दी। मृतका की पहचान जयवंती पत्नी ईश्वर के तौर पर हुई है। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची तथा परिजनों से मामले की जानकारी लेते हुए शव को कब्जे लेकर उसे पोस्टमार्टम के लिए स्थानीय नागरिक अस्पताल के शवगृह भिजवाया। मामले के जांच अधिकारी राजेश ने बताया कि मृतका के पति ईश्वर सिंह के अनुसार जयवंती पिछले लंबे समय से मानसिक तनाव में थी। उसने शनिवार की रात घर के तूड़े वाले कमरे में फांसी लगा ली। जब उसकी पुत्रवधू सुबह भैंसों को चारा डालने के लिए तूड़े वाले कमरे में पहुंची तो उसे घटना का पता चला। पुलिस ने इस संबंध में इत्तिफाकिया कार्रवाई करते हुए पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है।

फंदा लगाने से महिला की मौत

बहादुरगढ़। गांव परनाला में महिला का शव फंदे पर लटका हुआ मिला। आत्महत्या किए जाने की बात सामने आई है। पुलिस मामले में जांच कर रही है। मृतका की पहचान करीब 24 वर्षीय शिवानी के रूप में हुई है। मूलतः यूपी के हरदोई की रहने वाली थी। यहां अपने पति के साथ परनाला गांव में रह रही थी। शनिवार की देर शाम को उसका शव कमरे में फंद पर लटका मिला। सूचना पाकर लाइनपार थाने से पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने शव को नागरिक अस्पताल में रखवाया। रविवार दोपहर को मृतका के परिजन बहादुरगढ़ आए तो उनके बयान लेकर पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू कराई गई।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार किसान की मौत

खेत में काम करने के बाद बाइक पर घर लौट रहा था गिरधरपुर निवासी राकेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

खेत का काम निपटा कर बाइक पर वापिस घर लौट रहे किसान को ट्रक ने टक्कर मार दी। जिस कारण उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान क्षेत्र के गांव गिरधरपुर निवासी करीब 51 वर्षीय राकेश पुत्र रामनारायण के तौर पर हुई है। मामले के जांच अधिकारी अशोक कुमार ने बताया कि राकेश जमींदारा करता था। शनिवार को खेत में काम करने गया था। रात करीब सवा नौ बजे जब वह बाइक पर सवार होकर खेत से वापिस घर लौट रहा था बाबेपुर गांव के नजदीक उसे एक तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। टक्कर लगने से गंभीर रूप से घायल हुए राकेश को उपचार के लिए स्थानीय नागरिक अस्पताल लाया गया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के पुत्र हिमांशु की शिकायत पर आरोपी ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। इस मामले में पुलिस द्वारा नियमानुसार आगामी कार्रवाई अमल में लाई जा रही है।

मृतक राकेश

झज्जर। पोस्टमार्टम के दौरान नागरिक अस्पताल परिसर में उपस्थित परिजन। फोटो : हरिभूमि

झज्जर। दुर्घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस टीम मामले की जानकारी लेती हुई। फोटो : हरिभूमि

तेज गति से आ रहे ट्रक ने स्कूटी सवार युवक को कुचला, मौत

झज्जर। रविवार सांय करीब साढ़े पांच बजे ग्वालिसन-छुछकवास मार्ग पर रेलवे फाटक के नजदीक तेज गति से आ रहे ट्रक ने स्कूटी को पीछे से टक्कर मार दी और सिर के ऊपर से ट्रक का पहिया उतर गया। जिसके चलते स्कूटी सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। बाद में राहगीरों द्वारा सूचना पुलिस को दी गई। जिसपर कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम मौके पर पहुंची और मामले की जानकारी लेते हुए पोस्टमार्टम के लिए शव को स्थानीय नागरिक अस्पताल भिजवाया। मृतक की पहचान पीयूष सैनी निवासी गाजियाबाद के तौर पर हुई है। सोमवार सुबह शव का पोस्टमार्टम करवाया जाएगा। बताया जा रहा है कि पीयूष झाड़ली क्षेत्र में किसी निजी कंपनी में कार्य करता था। एएसआई प्रवीण कुमार ने बताया कि पोस्टमार्टम करवाने के लिए शव को नागरिक अस्पताल के शव गृह में रखवा दिया गया है। आरोपी ट्रक चालक को पकड़ने के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाली जाएगी।

मृतक पीयूष

कैंटर की टक्कर से पिकअप चालक की मौत, एक घायल

बहादुरगढ़। केएमपी एक्सप्रेस-वे पर हादसे में घायल हुए गाड़ी चालक ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। उसकी मौत के लिए कैंटर चालक को जिम्मेदार ठहराया गया है। आसौदा थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं, बादली थाना क्षेत्र में कार से टकराकर गंभीर रूप से घायल हुए किशोर को भी पीजीआई में ब्रेन डेड घोषित कर दिया गया है। मृतक की पहचान बलजीत के रूप में हुई है। वह पानीपत के इसराना का रहने वाला था। जानकारी के अनुसार अपने परिचित महेंद्र निवासी समालखा के साथ बोलेरो पिकअप गाड़ी में सवार होकर केएमपी के रास्ते राजस्थान के तिजारा जा रहा था। यहां आसौदा टोल पार कर कुछ दूर आगे बढ़े ही थे कि एक कैंटर उनकी गाड़ी से टकरा गया। हादसे में दोनों को काफी चोट आई। उन्हें पहले नागरिक अस्पताल बहादुरगढ़ लाया गया, जहां से पीजीआई रोहतक रेफर कर दिए गए। बलजीत की हालत गंभीर थी। परिजन उसे दिल्ली के एक निजी अस्पताल में ले गए। तब से उसका इलाज जारी था। शनिवार को उसने दम तोड़ दिया। वहीं, दूसरी तरफ बादली थाना क्षेत्र में रिलायंस सेक्टर 7बी के पास हादसे में गंभीर रूप से घायल हुए किशोर को पीजीआई में ब्रेन डेड घोषित कर दिया गया है। सौंधी का निवासी बबींद्र अपने भतीजे अंशु के साथ बाइक पर सवार होकर रिलायंस सेक्टर 7 गया था। इसी दौरान एक गाड़ी ने बाइक को टक्कर मार दी। अंशु को सिर व अन्य हिस्से में गंभीर चोट थी। उसे पीजीआई रोहतक में भर्ती कराया गया था। शनिवार को ईलाज के दौरान उसे ब्रेन डेड घोषित कर दिया गया। बादली थाना पुलिस ने अज्ञात कार चालक पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ट्रेन में यात्री के बैग से सोने के गहने और नकदी चोरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

स्थानीय जीआरपी सीमा में चलती ट्रेन के दौरान चोरी के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। अब उत्तर प्रदेश मूल के एक व्यक्ति के बैग से आभूषण व नकदी साफ कर दी गई। पीड़ित की शिकायत पर जीआरपी बहादुरगढ़ ने केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

पुलिस को दी शिकायत में उत्तर प्रदेश के निवासी प्रभाकर पांडे ने बताया कि वह 1 मई को लालगढ़ से न्यू जलपाईगुड़ी जा रहे थे। वह अवध-असम एक्सप्रेस ट्रेन में सवार थे। गत 2 मई की सुबह करीब 6 बजे ट्रेन बहादुरगढ़ रेलवे स्टेशन से रवाना हुई तो उन्हें अपने बैग से सामान गायब मिला। बैग में करीब 11 ग्राम की सोने की चेन, 3 अंगूठियां, 2 सेट कान की बालियां और 7 हजार रुपये नकद रखे हुए थे। कोई अज्ञात चोर हाथ साफ कर गया। जब उन्हें वारदात का पता चला तो शिकायत जीआरपी न्यू जलपाईगुड़ी में दी गई थी। बाद में रेलवे पुलिस अधीक्षक अंबाला कैंट के आदेश पर मामला बहादुरगढ़ जीआरपी थाना भेजा गया।

इधर, बहादुरगढ़ स्टेशन के आसपास लगातार इस तरह के मामले सामने आ रहे हैं। कुछ दिन पहले तो यहां केरल से लौट रहे एक फौजी के बैग से लाखों के आभूषण चोरी हो गए थे।

स्टेशन से यात्री का बैग चोरी

बहादुरगढ़। स्थानीय रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म से एक यात्री का बैग चोरी हो गया। पीड़ित ने जीआरपी बहादुरगढ़ को शिकायत दे दी है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शिकायतकर्ता शैलेश का कहना है कि वह 15 मई को मुक्तसर से बहादुरगढ़ आया था। रात अधिक होने के कारण वह रेलवे स्टेशन अधीक्षक के गेट के सामने बैठा था। देर रात झपकी लगने के दौरान अज्ञात व्यक्ति उसका बैग चोरी कर ले गया। बैग में मोबाइल, नर्सिंग एडमिट कार्ड, डेबिट कार्ड, बैंक पासबुक सहित तमाम जरूरी दस्तावेज, चार हजार रुपये व कपड़े थे।

जीडी गोयनका की गार्गी ने शूटिंग में जीते पदक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

शहर की एचएल सिटी में स्थित जीडी गोयनका पब्लिक स्कूल की होनहार खिलाड़ी गार्गी मुदगिल ने शूटिंग में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्कूल के साथ बहादुरगढ़ का नाम रोशन किया है। स्कूल निदेशिका शैलजा जून ने कहा कि गार्गी के व्यक्तिगत परिश्रम के साथ ही अनुशासन, समर्पण और दृढ़ संकल्प ने उसे इतने पदक जिताए हैं। गार्गी को बधाई देते हुए उन्होंने नेशनल स्पर्धा के लिए शुभकामनाएं दी।

गार्गी ने पिछले महीने पंचकूला में आयोजित फर्स्ट मार्क-10 सीरीज शूटिंग प्रतियोगिता में 10 मीटर एयर राइफल गर्ल्स कैटेगरी में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल हासिल किया था। अब उसने रोहतक में हुई पीएसएसए क्राउन शूटिंग प्रतियोगिता के सब यूथ 10 मीटर एयर राइफल इवेंट में सिल्वर मेडल जीता। शानदार प्रदर्शन के आधार पर गार्गी का चयन सीओसी चैंपियनशिप के लिए हुआ। इस प्रतियोगिता में उसने चौथा स्थान प्राप्त किया। इसके पश्चात देहरादून में आयोजित इंडिया ओपन प्रतियोगिता प्री-नेशनल शूटिंग प्रतियोगिता में गार्गी ने तीन अलग-अलग श्रेणियों में भाग लिया। गार्गी ने 10 मीटर एयर राइफल शूटिंग की सब यूथ कैटेगरी में चौथा स्थान, यूथ कैटेगरी में सिल्वर मेडल तथा जूनियर कैटेगरी में गोल्ड मेडल जीतकर कीर्तिमान स्थापित किया। निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर गार्गी का चयन नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप के लिए हुआ है। स्कूल स्टॉफ ने उसे बधाई देते हुए गार्गी के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। स्कूल निदेशिका शैलजा जून ने कहा कि गार्गी की सफलता विद्यालय के अन्य विद्यार्थियों को भी प्रेरित करेगी। उन्होंने गार्गी के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

बहादुरगढ़। शूटिंग में निशाना लगाती जीडी गोयनका की गार्गी मुदगिल। फोटो : हरिभूमि

संगठन सदस्यों ने सरकार से की बढ़ी हुई कीमतों को वापस लेने की मांग

शहीद चंद्रशेखर आजाद चौक पर किया प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन ने पेट्रोल-डीजल, सीएनजी, रसोई गैस व दूध आदि के दामों में बढ़ोतरी के खिलाफ लाइनपार के शहीद चंद्रशेखर आजाद चौक पर प्रदर्शन किया। नारे लगाते हुए संगठन सदस्यों ने सरकार से बढ़ी हुई कीमतों को वापस लेने की मांग की।

जिला कमेटी सदस्य रामकिशन, सतबीर सिंह बल्हारा और राजबीर छिल्लर ने कहा कि सरकार अमेरिकी साम्राज्यवाद से महंगा कच्चा तेल ना खरीदे और रूस-ईरान आदि देशों से सस्ता तेल खरीदे। तेल कंपनियों ने क्रूड ऑयल सस्ता होने पर रेट नहीं घटाए और प्रतिदिन अरबों-खरबों का मुनाफा कमाया। अब तेल कंपनियों द्वारा घाटे के नाम पर की गई वृद्धि एकदम से नाजायज है। पहले से गरीबी-बेरोजगारी से जूझ रही आम जनता पर भयंकर आर्थिक हमला किया है। रामकिशन, सतबीर सिंह, राजबीर सिंह, जगबीर सिंह, वीके सोनी, अमन कुमार, अमरपाल सिंह, रोहित, राज सिंह व गोपाल सिंह आदि ने नाजायज वृद्धि का जोरदार विरोध करते हुए बढ़ी कीमतें वापिस लेने का आह्वान किया।

बहादुरगढ़। लाइनपार में प्रदर्शन करते संगठन के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

आस्था का केंद्र

झज्जर जिले के बेरी कस्बा में दो मंदिर हैं और इनमें रखी जाने वाली माता भीमेश्वरी देवी की मूर्ति एक ही है। बताते हैं कि प्रारंभ में इस जगह पर घना जंगल था। इसमें ऋषि दुर्वासा रह रहे थे। ऋषि दुर्वासा रोजाना सुबह माता भीमेश्वरी देवी की मूर्ति को बाहरी मंदिर में लाते और दोपहर बाद मूर्ति को भीतरी मंदिर में रख देते थे। मूर्ति को आंतरिक मंदिर से बाहरी मंदिर तक ले जाने की यह प्रक्रिया अभी भी धार्मिक रूप से पालन की जा रही है।

हरियाणवी के अनन्य साधक रहे पं. हरिकेश पटवारी

हरिकेश पटवारी न केवल एक उत्कृष्ट कोटि के कवि थे, बल्कि वे एक कुशल रेडियो गायक, प्रखर विचारक और समाज के यथार्थ को अपनी रचनाओं में हुबहू उतारने वाले दूरदर्शी कलाकार थे जिन्होंने अपनी सहज और सरल लोकभाषा के माध्यम से लोक-साहित्य को एक नया आयाम दिया।

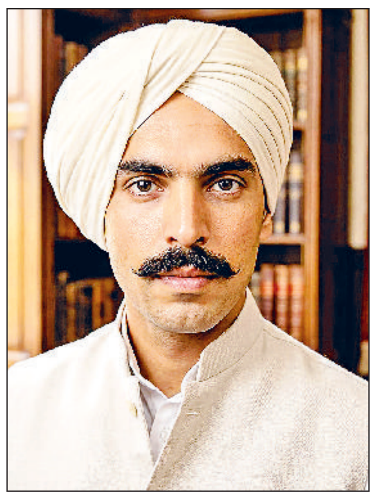

लोक साहित्य

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

हरियाणा का लोक-साहित्य केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि जनमानस के संघर्षों, नैतिक मूल्यों और सामाजिक चेतना का एक जीवंत दस्तावेज़ है, जिसने सदियों से इस क्षेत्र की पहचान को अक्षुण्ण रखा है। 'सांग' और 'रागनी' जैसी समृद्ध विधाओं के साहित्यिक क्षेत्र में अनेक ऐसी महान विभूतियां उभरीं, जिन्होंने अपनी अनमोल लेखनी से लोक-भाषा को अमर बना दिया।

इसी श्रृंखला में एक दैदीप्यमान नक्षत्र की तरह चमकते हैं लोककवि पं. हरिकेश पटवारी। पं. हरिकेश पटवारी न केवल एक उत्कृष्ट कोटि के कवि थे, बल्कि वे एक कुशल रेडियो गायक, प्रखर विचारक और समाज के यथार्थ को अपनी रचनाओं में हुबहू उतारने वाले दूरदर्शी कलाकार थे जिन्होंने अपनी सहज और सरल लोकभाषा के माध्यम से लोक-साहित्य को एक नया आयाम दिया। पं. हरिकेश पटवारी का जन्म पंडित उमाशंकर और बसन्ती देवी के घर में 7 अगस्त 1898 को तत्कालीन पंजाब के संगरूर जिले के अंतर्गत आने वाले धनौरी गांव में हुआ था, जो वर्तमान समय में हरियाणा के कैथल जिले की नरवाना तहसील का हिस्सा है। उनके जन्म के समय यह क्षेत्र पटियाला रियासत का एक अभिन्न हिस्सा हुआ करता था, जिससे उनके जीवन और प्रारंभिक वैचारिक विकास पर रियासती दौर की व्यवस्थाओं और ग्रामीण परिवेश का गहरा प्रभाव पड़ा। एक साधारण ब्राह्मण परिवार में जन्मे हरिकेश की प्रारंभिक शिक्षा धनौरी में ही संपन्न हुई, जिसके बाद वे उच्च शिक्षा के लिए पंजाब के खन्ना क्षेत्र में चले गए और वहां से अपनी माध्यमिक शिक्षा पूरी की। उन्होंने राजस्व विभाग में पटवारी के पद पर सरकारी सेवा प्रारंभ की। इसी पद पर कार्य करने के कारण वे लोकमानस में पं. हरिकेश पटवारी के नाम से विख्यात हुए और उन्हें ग्रामीण समाज, किसानों की समस्याओं और सरकारी तंत्र की कार्यप्रणाली को बहुत ही करीब से देखने का अवसर मिला। वे अपनी कुशाग्र बुद्धि, तीक्ष्ण समझ और हाजिर-जवाबी के लिए पूरे क्षेत्र में प्रसिद्ध थे तथा उन्होंने कई भाषाओं में लेखन का कार्य भी किया। वर्ष 1947 में देश की आजादी के बाद जब भारत एक नए युग में प्रवेश कर रहा था, तब हरियाणा के सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक परिवेश को उन्होंने बहुत ही विश्वसनीय, प्रामाणिक और पारदर्शी ढंग से अपनी रचनाओं के माध्यम से जनता के सामने प्रस्तुत किया। उनकी रचनाओं में व्यक्त सच्चाई और सहज कला के कारण उनकी रागनियां आम जनमानस में अत्यधिक लोकप्रिय हुईं, क्योंकि ग्रामीण आंचल के किसान, मजदूर और सामान्य नागरिक उनकी कविताओं में अपनी ही आवाज पाते थे। उनकी चार पुस्तकें हरियाणवी लोक-साहित्य की अनमोल धरोहर मानी जाती हैं, जिनमें वैराग्य रत्नमाला, आजादी की झलक, हरिकेश पुष्पांजलि और प्रश्नोतरी शामिल हैं। इन प्रकाशित पुस्तकों के अतिरिक्त उनकी कई अमूल्य रचनाएं अप्रकाशित भी रह गईं जिनमें सत्यवान-सावित्री, जानी चोर, हरफूल जाट और ऊखा-अनिरुद्ध आदि किस्से शामिल हैं जो प्रमाणित करती हैं कि उनकी पैठ पौराणिक आख्यानों से लेकर समकालीन लोक-इतिहास तक समान रूप से गहरी थी। पं. हरिकेश पटवारी के काव्य का क्षेत्र अत्यंत व्यापक है जिसमें ईश्वर की असीम सत्ता और प्रकृति के रहस्यों के प्रति गहरा कौतुक और दार्शनिक दृष्टिकोण दिखाई देता है जिसका एक अनुपम उदाहरण उनके इस काव्य संदर्भ में मिलता है जहाँ वे कहते हैं:बड़े बड़े गए हार, तेरी है अपार माया ,कहीं परथल कहीं चलें फवारे, तेरी कुदरत के अजब नजारे,तारे चन्द्रमा और भान, बादल बिजली के निशान,बिना खंभे आसमान, कौन से सीस पर टिकाया ।इन पंक्तियों में कवि ने ब्रह्मांड की रचना पर आश्चर्य और श्रद्धा व्यक्त करते हुए बताया है कि बड़े-बड़े विद्वान भी ईश्वर की इस अपार माया को समझने में हार मान चुके हैं और बिना किसी खंभे या सहारे के इस विशाल आसमान को ईश्वर ने किस अदृश्य शीश या आधार पर टिका रखा है यह इंसानी बुद्धि के परे है। हरिकेश एक सजग लोककवि थे इसलिए वे समाज में व्याप्त विसंगतियों और अन्याय को देखकर चुप नहीं रह सके और उन्होंने उस कड़वे यथार्थ को अपनी कविता का विषय बनाया जहां सदाचारी दुखी हैं और पापी सुखी हैं जिसके बारे में वे भगवान से ही सीधे प्रश्न करते हैं:

भूखे मरते भक्त, ऐश करते ठग चोर जवारी क्यूं,
फिर भगवान तनै न्यायकारी कहती दुनिया सारी क्यूं,
नशे विषे में मस्त दुष्ट सुख की निद्रां सोते देखे,
सतवादी सत पुरुष भूख में जिन्दगानी खोते देखे,
एम.ए. बी.ए. पढ़े लिखे सिर पर बोझा ढोते देखे

यह रचना उनकी सामाजिक चेतना का चरमोत्कर्ष है जिसमें वे शिक्षा और रोजगार की विसंगति पर प्रहार करते हुए कहते हैं कि उच्च शिक्षा प्राप्त योग्य युवा बेरोजगार होकर सिर पर बोझा ढोने के लिए मजबूर हैं जबकि मूर्ख और अनपढ़ लोग ऊंचे पदों और कुर्सियों पर आसीन होकर राज कर रहे हैं। कवि ने संसार के लोगों के स्वभाव और प्रवृत्तियों का बहुत ही सूक्ष्म अध्ययन किया था और वे जानते थे कि हर मनुष्य अपनी ही धुन में, अपने ही स्वभाव में मस्त है जिसे वे अपनी पंक्तियों में इस प्रकार व्यक्त करते हैं:

कोई अनुरागी कोई त्यागी कोई बल और धन में मस्त कोई,
कोई ज्ञानी कोई ब्रह्मज्ञानी खल मूर्खपन में मस्त कोई,
रज्या मरै कोई बरत करे और पौ भर अन्न में मस्त कोई,
झक मारै कोई बक मारै रहै मोनी मन में मस्त कोई।

यह काव्य संदर्भ सिद्ध करता है कि वे एक महान मनोवैज्ञानिक कवि थे जिन्होंने मानव व्यवहार के हर रंग को पहचानकर उसे शब्दों में ढाला।एक सच्चे कलाकार और स्वाभिमानी कवि के रूप में पं. हरिकेश पटवारी ने कभी भी अपनी कला का सौदा नहीं किया और वे जानते थे कि जहां कला, ज्ञान और गुणी जनों की कद्र न हो, वहां अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करना व्यर्थ है जिसे वे इस प्रकार प्रकट करते हैं:

जहां जूत लगें और मिले मिठाई वो अनखज खाणा के,
जो कह के गुरु-गुरु बणजै इसे सतसंग का पाणा के,
जहां मूरख लंठ राज बैठे वहां निरगुण का गाणा के,
तै बिना कदर हरीकेश पकड़ ली कविता मूठ ढाल की।

यहां वे उन पाखंडी और धूर्त लोगों पर चोट करते हैं, जो केवल छल से किसी के गुरु बन बैठते हैं और जहां कला की कोई कद्र ही नहीं है, वहां कविता रचना व्यर्थ मानते हैं। वैराग्य और दर्शन के क्षेत्र में पं. हरिकेश पटवारी का दृष्टिकोण अद्वैतवादी संतों जैसा था जो ईश्वर को चराचर जगत के कण-कण में व्याप्त देखते थे, इसे उन्होंने बहुत ही सुंदर शब्दों में पिरोते हुए लिखा है:

भगत तेरे बस रहे सदा भगतों के बस में तू है,
लता पात फल फूल मूल धातु सब रस में तू है,
रूप चरम लहू माँस हाड़ नाड़ी नस-नस में तू है,
वन मरण लाभ हानि सब जस-अपजस में तू है।

कवि कहता है कि वनस्पति की लताओं, पत्तों, फलों, फूलों और मनुष्य के भौतिक शरीर की हड्डियों, नाड़ियों और नस-नस में केवल वही विधाता व्याप्त है। लोककवि का एक मुख्य दायित्व समाज को सही मार्ग दिखाना और नैतिक मूल्यों की स्थापना करना भी होता है। उन्होंने आम जनमानस को जीवन जीने की कला सिखाते हुए इस प्रकार उपदेश दिया है:

शील सबर धीरज धारण करके सन्तोषी रहा कर,
चोरी जारी बदकारी से सौ-सौ कोस दूर रहा कर,
अफीम शराब चरस भंग पीकर मत बेहोश रहा कर,
कंच पात्रसम शुद्धचित्त निर्मल निर्दोष रहा कर।

इन पंक्तियों में कवि मनुष्य को समझाते हैं कि वन में हमेशा शील, संतोष और धैर्य को धारण करना चाहिए तथा हर प्रकार के बुरे कर्मों और नशों से दूर रहकर अपना चरित्र कांच के साफ बर्तन के समान निर्मल रखना चाहिए। पं. हरिकेश ने अपनी राष्ट्रभक्ति और स्वतंत्रता आंदोलन के संघर्षों को भी अपनी अमर लेखनी से अंकित किया है जिसका जीवंत प्रमाण उनकी पुस्तक आजादी की झलक से मिलता है, जहां वे ब्रिटिश हुकूमत के अत्याचारों और उनकी दमनकारी नीतियों का अत्यंत मार्मिक चित्रण करते हुए लिखते हैं:

अंग्रेजों ने म्हारे देश को बिल्कुल चकनाचूर किया।
लूट लिया धन माल हिन्द का अपना घर भरपूर किया।
ऐसी डाली फूट सगा भाई भाई से दूर किया।
बंधी बुहारी खोल बिखेरी कितना बड़ा कसूर किया।

इन पंक्तियों के माध्यम से कवि ने उस ऐतिहासिक सच्चाई को बयां किया है कि कैसे विदेशी शासकों ने भारत की अपार धन-संपदा को लूटकर अपने देश को भरा और हमारी आपसी एकता को छिन्न-भिन्न करने के लिए फूट डालो और राज करो की कुटिल नीति अपनाई जिससे उन्होंने प्रेम से रहने वाले सगे भाइयों को एक-दूसरे से दूर कर दिया और पूरे समाज को तिनके-तिनके की तरह बिखेर कर देश को कमजोर कर दिया। इस महान सफलता और लोक-सेवा के पथ पर चलते हुए अंततः 8 फरवरी 1954 को पं. हरिकेश पटवारी इस नश्वर संसार से चल बसे परंतु अपनी अमर लेखनी के कारण वे आज भी लोक-मानस में जीवित हैं। पं. हरिकेश पटवारी के काव्य की सबसे बड़ी विशेषता उसकी भाषा की तरलता और सरलता है जो ठेठ हरियाणवी और लोक-भाषा का ऐसा सुसंस्कृत रूप है जिसे समाज का हर वर्ग समान रूप से समझ सकता है। उन्होंने एक पटवारी के रूप में समाज के व्यावहारिक धरातल को नापा और एक कवि व गायक के रूप में समाज की आत्मा को झंकृत किया जिससे उनका जीवन अत्यंत सादगीपूर्ण और साहित्यिक योगदान अत्यंत विशाल व समृद्ध रहा। भले ही वे आज हमारे बीच भौतिक रूप से उपस्थित नहीं हैं लेकिन उनका जीवन दर्शन और उनकी कालजयी रचनाएं हरियाणवी लोक-साहित्य के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अंकित रहेंगी और आने वाली पीढ़ियों को हमेशा सत्य, सदाचार और लोक-संस्कृति के प्रति निष्ठा की प्रेरणा देती रहेंगी।

भले ही वे आज हमारे बीच भौतिक रूप से उपस्थित नहीं हैं लेकिन उनका जीवन दर्शन और उनकी कालजयी रचनाएं हरियाणवी लोक-साहित्य के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अंकित रहेंगी और आने वाली पीढ़ियों को हमेशा सत्य, सदाचार और लोक-संस्कृति के प्रति निष्ठा की प्रेरणा देती रहेंगी।

पं. हरिकेश पटवारी के काव्य की सबसे बड़ी विशेषता उसकी भाषा की तरलता और सरलता है जो ठेठ हरियाणवी और लोक-भाषा का ऐसा सुसंस्कृत रूप है, जिसे समाज का हर वर्ग समान रूप से समझ सकता है।

रागिनी

सत्यवीर नाहड़िया

न्यूं बिदबान बतावैं

राग हुवैं छै-तीस रागनी, कोये छत्तीस गिणावैं।
दिखे राग की राणी हों ये,रै न्यूं बिदबान बतावैं।।

टेक-कळी अर तोड़ हुवैं सैं, इसकी धड़कण प्यारी।
कई तरां की कळी बतायी, हो ताल-तरज न्यूं न्यारी।
गावण की न्यारी लयकारी,ये तिन्नूं खास बणावैं।
दिखे राग की राणी हों ये, रै न्यूं बिदबान बतावैं।।

हरियाणा अर चोगर[redacted]ये सदा गूँजती आयी।
माँग साँग की भोत क[redacted] थी,आग्गै फुटकड़ छायी।
वही रागणी पूरी पायी,जो कसी छंद म्हैं जावैं।
दिखे राग की राणी हों ये, रै न्यूं बिदबान बतावैं।।

गाम-गाम म्हैं मिलैं गवैये,साज बजावैं न्यारे।
ढोलक-पेट्टी घड़वा-बैंजू,ताल मिलावैं सारे।
कथ कै गाग्ये बड्डे म्हारे,इब कौण उसी रच पावैं?
दिखे राग की राणी हों ये, रै न्यूं बिदबान बतावैं।।

हरियाणा के सांगी-गायक,खूब दूर लग छाये।
कह 'नाहड़िया' कलमतोड़ वै, न्यारे इतिहास बणाये।
गावण के घर दूर बताये,पर रोज भतेरे गावैं।
दिखे राग की राणी हों ये, रै न्यूं बिदबान बतावैं।।

कविता

त्रिलोक चंद फतेहपुरी

देश की अखंडता

नौजवानों देश का ऊंचा भाल राखियो।
देश की अखंडता का ख्याल राखियो।।

कयी देश द्रोही सिर अपणा ठावैं।
देश की अखंडता नै तोड़णा चाहवै।
ऐसे क्रूर जालिमों की पड़ताल राखियो।
देश की अखंडता का ख्याल राखियो।।

सीमा पै पड़ोसी बैरी तण[redacted]ड़ा सै।
म्हारी एकता खंडित कर[redacted] अड़ा सै।
एकता कदे ना टूटे वा ढाल रखियो।
देश की अखंडता का ख्याल राखियो।।

जात धर्म के कयी बणै सैं हिमाती।
भाषा विवाद आळै घणै खुरापाती।
उन दुष्टों का ध्यान हर हाल राखियो।
देश की अखंडता का ख्याल राखियो।।

देश की अखंडता कायम , सुरक्षित हो
उन्नति के पथ पै देश सदा अग्रसित हो
त्रिलोक प्यारे देश को बेमिसाल राखियो।
देश की अखंडता का ख्याल राखियो।।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

संस्कृति

हरियाणा में ग्राम-राज की आत्मा और लोकतंत्र का अनौपचारिक मैदान कहलाती हैं चौपालें

चौपालों की नई भूमिका को निर्मित करना जरूरी

जनजीवन

डॉ. प्रियंका सौरभ

हरियाणा की धरती पर चौपालें ऐसे स्थान हैं, जहां गांव की खामोशी में राजनीति की बात होती है, लोक-संस्कृति की गूंज बजती है और सामाजिक ठहराव की गहरी दरारें भी दिखाई देती हैं। ये छोटे-छोटे, अक्सर मिट्टी-पगडंडियों के किनारे बने कच्चे मंच आज भी ग्रामीण जीवन की धड़कन बने हुए हैं। यही चौपालें आम जनता, महिलाओं, युवाओं और सत्ताधारियों के बीच अनौपचारिक संवाद का अनमोल माध्यम हैं, जिनकी गूंज आधुनिक राजनीति, नीति-निर्माण और लोक-संस्कृति तीनों स्तरों पर अपनी प्रासंगिकता बरकरार रखती है।

हरियाणा की चौपालें ग्रामीण समाज की पारम्परिक ग्राम-सभा की उत्तराधिकारी हैं, जहां समुदाय खुले आम बैठकर विवाद, नीति-प्रभाव और दैनिक समस्याओं पर बात करता है। यहां न केवल जमीन-पानी, सिंचाई, राशन-योजना या बिजली-समस्या जैसे मुद्दे उठते हैं, बल्कि गांव के बच्चों की शिक्षा, लड़कियों की सुरक्षा और पंचायत-निर्वाचन की रणनीति भी इसी अनौपचारिक मंच पर तैयार होती है। इस रूप में चौपाल लोकतंत्र की जड़ों का एक जीवित प्रतीक बन जाती है, जहां बिना नोटिस नियम-फाइल के आम आदमी की आवाज बिना फिल्टर के गूंजती है। लेकिन यही चौपालें एक कठोर सामाजिक सिस्टम का हिस्सा भी हैं, जहां जाति-प्रभुत्व, तानाशाही पितृत्व-नेतृत्व और वंशवाद की बातें भी अक्सर दबी आवाज में टकराती हैं। ऐसे में चौपाल एक दोहरी भूमिका निभाती है – वहीं जहां लोकतांत्रिक भागीदारी की संभावना झलकती है, वहीं सामाजिक विभाजन और असमानता की दीवारें भी और ऊंची उठती प्रतीत होती हैं। इस द्वंद्व के बीच चौपाल की नई भूमिका को निर्मित करना आज की जरूरत है। हरियाणा में चुनावी रणनीति अक्सर दिल्ली या चंडीगढ़ के पार्टी-कार्यालयों से शुरू नहीं होती, बल्कि गांव-गांव की चौपालों से शुरू होती है। प्रत्येक पंचायत-निर्वाचन से पहले चौपालें "राजनीतिक मुख्यालय" बन जाती हैं, जहाँ उम्मीदवारों के विज्ञापन, समर्थकों की बैठकें और वोट-संरचना पर खुलकर चर्चा होती है। यहाँ जाति-समीकरण, वंशवाद-विरोध, नई पीढ़ी की अपेक्षाएं और सरकारी योजनाओं की वास्तविकता से जुड़े तथ्यों का जीवंत विश्लेषण होता है। इसी कारण चौपाल एक अनौपचारिक राजनीतिक बाज़ार भी बन जाती है, जहाँ मतदाता व उम्मीदवार दोनों एक-दूसरे से सीधा संवाद स्थापित करते हैं। यहाँ नारे नहीं, बल्कि रोटी-सिंचाई-रोज़गार जैसे ठोस विषय चर्चा का आधार होते हैं। इस प्रकार चौपाल राजनीति को ग्रामीण धरातल पर उतारती है और उसे अमूर्त राजनीतिक विचारों से आम जनजीवन से जोड़ती है। चौपालें राजनीति से हटकर ग्रामीण संस्कृति का एक जीवंत मंच भी हैं। यहां तीज, बासंत, लोहड़ी, दीपावली और विवाह-उत्सवों के समय हरियाणवी लोक-गीत, ठाप, झूमर, नाद-नृत्य और ग्रामीण लोक-कथाएं गूंजती हैं। यहीं झूले, मेहंदी, गीत-संगीत और भोज-संस्कृति से जुड़ी सामाजिक बातें भी चलती हैं, जिनसे ग्राम-समाज की भावनात्मक जुड़ाव और सामाजिक नेटवर्क जीवित रहते हैं। चौपाल सिर्फ सामाजिक-राजनीतिक मंच नहीं, बल्कि ग्रामीण महिलाओं की अदृश्य रचनात्मक ऊर्जा का भी एक महत्वपूर्ण अभिव्यक्ति-स्थल है। यहीं से लोक-कथाएं, भावनाओं की भाषा और नारी-पहल की छोटी-छोटी शुरुआतें शहर-स्तरीय उत्सवों और मेलों के माध्यम से बाहर दुनिया तक पहुंचती हैं। आधुनिक युग में चौपालों की भूमिका अपने आप बदल रही है।

मोबाइल, डिजिटल मीडिया और ऑनलाइन बात-चीत ने ग्रामीण जनता की जानकारी के स्तर को उठाया है, लेकिन इसके साथ-साथ युवा पीढ़ी की चौपालों से दूरी भी बढ़ रही है। जहाँ कभी गांव के बुज़ुर्ग और युवा एक ही छत्र में बैठकर बातचीत करते थे, वहाँ आज सोशल-मीडिया और व्हाट्सएप ग्रुप अक्सर नए मंच बन जाते हैं। चौपाल की अवधारणा को नवीनीकरण की ज़रूरत है। यह डिजिटल युग के साथ जुड़कर एक नई पहचान बना सकती है जैसे "डिजिटल चौपाल", "युवा चौपाल" या "नारी चौपाल", जहां ग्रामीण समाज की नई पीढ़ी की भाषा और चिंताओं को भी समान रूप से शामिल किया जा सके। हरियाणा में चौपलों की गूँज आज भी जीवित है, लेकिन इसे सिर्फ पारम्परिक प्रतीक के रूप में न रखकर एक नवीनीकृत सामाजिक और सांस्कृतिक मंच के रूप में देखने की आवश्यकता है। यह चौपाल आज भी ग्रामीण जनता की आवाज, राजनीति की बुनियाद और सांस्कृतिक धड़कन तीनों को एक साथ जोड़ती है। इसे सुदृढ़ करना और उसे नवीन रूप देना, आधुनिक ग्राम-राज्य की स्वस्थ प्रगति के लिए अनिवार्य है।

सपनों को उम्र नहीं, सिर्फ हौसला चाहिए : डिंपल चौधरी

कलाकार

डॉ. तबस्सुम जहां

ज़िंदगी सिर्फ जिम्मेदारियों का नाम नहीं होती, कभी-कभी अपने अंदर छुपे कलाकार को जी लेना भी ज़रूरी होता है- यह पंक्ति सिर्फ़ एक विचार नहीं, बल्कि डिंपल चौधरी के पूरे जीवन का सार है। एक ऐसी महिला, जिसने परिवार, नौकरी और सामाजिक जिम्मेदारियों के साथ-साथ अपने सपनों को भी पूरी शिद्दत से जिया और यह साबित किया कि अगर हौसले ज़िंदा हों, तो सपनों की कोई उम्र नहीं होती।

नोएडा में रहने वाली डिंपल का जन्म पुठकला में हुआ और उनकी पूरी पढ़ाई-लिखाई नजफगढ़ में हुई। बचपन से ही वह उन लड़कियों में शामिल रहीं जो सिर्फ़ किताबों तक सीमित नहीं थीं। स्कूल का कोई भी कार्यक्रम हो -डांस, स्पोर्ट्स, स्टेज एक्टिंग या अन्य गतिविधियां, उनका नाम हमेशा सबसे आगे रहता। अपने कॉलेज के दिनों में उन्होंने बैडमिंटन में भी कई पुरस्कार जीते। आज वह दिल्ली यूनिवर्सिटी में कार्यरत हैं और अपने काम को पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ निभा रही हैं। उनके पति सॉफ्टवेयर के क्षेत्र में अपना व्यवसाय चलाते हैं और हर कदम पर उनका हौसला बढ़ाते रहे हैं। डिंपल ने ससुराल में भी उनकी सासू मां, जो एक रिटायर्ड प्रिंसिपल रह चुकी हैं, से डिंपल ने अनुशासन और आत्मविश्वास सीखा। परिवार के अन्य सदस्य देवर-देवरानी सभी ने हमेशा उन्हें प्यार और सहयोग दिया। डिंपल बहुत अच्छी डांसर हैं।

उन्होंने कई सांस्कृतिक कार्यक्रमों और मंचों पर अपनी नृत्य प्रस्तुतियां दीं। उनके लिए डांस केवल कला नहीं, बल्कि आत्मा की आवाज़ है। धीरे-धीरे उनका अभिनय सफर भी आगे बढ़ता गया। उन्होंने कई शॉर्ट फिल्मों में काम किया, जिनमें "ये ही दहेज है", "परिश्रम", "पारखी", "मेरा परिवार", "अच्छी फीलिंग", "खास दोस्त", "बेटे की खुशी" और "सबक" जैसी फिल्मों में उन्होंने अलग-अलग भूमिकाएं निभाईं। इन फिल्मों ने उन्हें केवल अभिनय ही नहीं सिखाया, बल्कि समाज को और करीब से समझने का अवसर भी दिया। उन्होंने एफटीएएफटी डिजिटल प्रोडक्शन के साथ कई रचनात्मक प्रोजेक्ट्स में काम किया और कैमरा विज़न प्रोडक्शन के पॉडकास्ट में अपने जीवन व अभिनय सफर को खुलकर साझा किया। उनके अभिनय जीवन में कई ऐसे अवसर आए, जिन्होंने उनके आत्मविश्वास को और मजबूत किया। उन्हें बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार और रजनीकांत की फिल्म रोबोट 2.0 और प्रसिद्ध लोक गायिका मालिनी अवस्थी के साथ काम करने का अवसर मिला। हाइफा ग्रुप से जुड़ना डिंपल चौधरी के जीवन का एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ, जहां उन्हें बड़े कलाकारों से सीखने और अपने हुनर को निखारने का अवसर मिला। हाइफा के मंच पर अपनी शानदार डांस प्रस्तुतियों के जरिए उन्होंने इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान बनाई। आज डिंपल चौधरी कई बड़े प्रोजेक्ट्स पर काम कर रही हैं। उन्होंने हरियाणा की मशहूर कलाकार सपना चौधरी के साथ आने वाली हरियाणवी फिल्म "फौजन" में काम किया है, जो जल्द ही रिलीज़ होने वाली है। इसके अलावा सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और हरियाणवी कलाकार राखी लोहचब के साथ भी उनका एक नया प्रोजेक्ट आने वाला है। साथ ही बॉलीवुड अभिनेता राजेंद्र गुप्ता के साथ भी उन्होंने एक फिल्म में काम किया है, जो जल्द दर्शकों के सामने होगी। हरियाणवी सिनेमा में अपने अनुभव और सिनेमा में आए बदलावों के संदर्भ में डिंपल का मानना है कि आजकल हरियाणवी सिनेमा में पहले की तुलना में अधिक फ़िल्में, वेब सीरीज़, पारंपरिक गीतों के साथ-साथ नई धुनों और आधुनिक संगीत का भी निर्माण किया जा रहा है। इससे नई प्रतिभाओं को अपनी कला दिखाने का अवसर मिल रहा है और हरियाणवी मनोरंजन जगत की गुणवत्ता में भी निरंतर सुधार हो रहा है।

हरियाणवी बोली, संस्कृति और सकारात्मक हरियाणवी सोच को अब बॉलीवुड में भी विशेष पहचान और सराहना मिलने लगी है। यही कारण है कि आने वाले समय में हरियाणवी सिनेमा नई ऊंचाइयों को छूने की प्रबल संभावनाएं रखता है। आज डिंपल चौधरी सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों से जुड़ी रहती हैं, जहां उनके डांस और एक्टिंग वीडियोज़ कई महिलाओं के लिए प्रेरणा बन चुके हैं। वह मानती हैं कि शादी, परिवार और नौकरी के बाद भी सपनों को जिया जा सकता है, अगर दिल में सच्चा जुनून हो। जब लोग उनसे समय निकालने का राज पूछते हैं, तो वह मुस्कुराकर कहती हैं - "जिस चीज़ से सच्ची खुशी मिले, उसके लिए समय अपने आप बन जाता है।" आज भी वह लगातार सीख रही हैं, आगे बढ़ रही हैं और अपने सपनों को जी रही हैं। उनकी कहानी यह साबित करती है कि हौसले मजबूत हों, तो सपनों की कोई उम्र नहीं होती।

अवैध हथियार सहित एक आरोपी पकड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

सीआईए की एक टीम द्वारा दो अवैध हथियारों सहित एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। सीआईए प्रभारी कर्मवीर ने बताया कि मुख्य सिपाही कुलदीप की पुलिस टीम शहर थाना क्षेत्र में तैनात थी। इसी दौरान पुलिस टीम को गुप्त सूचना मिली की मोहिन निवासी खेड़ी महम जिला रोहतक अवैध हथियार लिए हुए झज्जर कोसली रोड नजदीकी रेलवे स्टेशन पर किसी के इंतजार में खड़ा है। जिस पर कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम मौके पर पहुंची और संदेह के आधार पर एक युवक को पकड़ा। पकड़े गए युवक की तलाशी लेने पर उसके कब्जे से दो देशी पिस्तौल

बरामद हुए। पकड़े गए आरोपी की पहचान मोहिन निवासी खेड़ी महम जिला रोहतक के तौर पर की गई है। आरोपी के खिलाफ नियमानुसार मामला दर्ज करते हुए आगामी कार्यवाई अमल में लाई गई है।

प्लैंकाथॉन क्वालिफिकेशन ट्रायल में 135 खिलाड़ियों ने लिया भाग

■ बीआरजी प्वाइंट पर बहादुरगढ़ रनर्स ग्रुप ने कराई प्लैंकाथॉन क्वालिफिकेशन ट्रायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

रविवार सुबह सेक्टर-9 स्थित बीआरजी प्वाइंट पर बहादुरगढ़ रनर्स ग्रुप द्वारा प्लैंकाथॉन क्वालिफिकेशन ट्रायल का भव्य आयोजन किया गया। एनईबी स्पोर्ट्स की देखरेख में आयोजित इस ट्रायल में 135 से अधिक फिटनेस प्रेमियों, धावकों और युवाओं ने भाग लिया।

ट्रायल में प्रतिभागियों को लगातार 70 सेकेंड तक एल्बो प्लैंक होल्ड करना था। प्रतिभागियों ने पूरे उत्साह और आत्मविश्वास के साथ चुनौती को पूरा किया। इस अवसर पर प्रवीन सांगवान, दीपक छिल्लर, निरंजन, अतुल डांगी, ब्रह्म प्रकाश मान, सुमित, धर्मवीर सैनी, नरेश शर्मा, बानेश, कांता साहू, संदीप शर्मा, रामाकांत, विजय वरुण, पुष्कर, नरेंद्र लाठवाल, गुलाब सिंह, निकुंज, हितेश अहलावत, दिनेश, सौरभ मलिक, यश लखेड़ा, नरेंद्र कुमार, लक्ष्मण पंवार, हर्षित पंवार, अजय कंडोला, अनुपमा, वर्षा रानी, मनीष, नीलम राठी, अनु, धर्मवीर सैन, चारू गिनोत्रा, शिखा, अंकित दलाल, आरिका, शरणम सिंह, अनूप सिंह, जगदीश राठी, अनिल, संदीप, सुरेंद्र, नवीन, परवीन, सुमन, रुपेश कुमार, धर्मवीर, नरेंद्र, अमन, संतोष, कृष्णा, मेजर कुलवंत, नवनीत सिंह, रविंद्र मलिक, प्रमोद भारद्वाज, राजकुमार खत्री, सोमदेव मलिक, विकास राठी, नीरज राठी, अंकित राणा, संदीप छिल्लर, वान्या, मिकुल, स्वीटी, अभय श्रीवास्तव, पीएल यादव, प्रदीप कुमार, अमनदीप, रणबीर सांगवान, सोनिया, सुदेश, सविता, प्रीति, मीनाक्षी, बिमला, बिमलेश, सत्यवान और सुमन आदि ने भाग लिया।

बहादुरगढ़। प्लैंकाथॉन क्वालिफिकेशन के लिए ट्रायल देने वाले बीआरजी सदस्य। फोटो : हरिभूमि

विजेताओं को 7 जून को नई दिल्ली में होने वाली बजाज प्लैंकाथॉन में भाग लेने का मिलेगा मौका

सफल प्रतिभागियों को आगामी 7 जून को दिल्ली के मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम में आयोजित होने वाले बजाज प्लैंकाथॉन गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड कार्यक्रम में भाग लेने का अवसर मिलेगा। कार्यक्रम का नेतृत्व करते हुए बीआरजी सदस्य दीपक छिल्लर ने बताया कि यह फिटनेस प्रतियोगिता युवाओं और समाज को स्वस्थ जीवनशैली के प्रति प्रेरित करने का अभियान है। उन्होंने कहा कि मुख्य कार्यक्रम में चयनित प्रतिभागियों को जैकेट, मेडल, नाश्ता और गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे।

खबर संक्षेप

गांव छारा में प्रतिभा सम्मान समारोह आज

बहादुरगढ़। छारा के बाबा संतोक दास धर्मशाला में सोमवार 25 मई को मुस्कान दलाल प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। पंचायत सदस्य मास्टर अनिल दलाल ने बताया कि सरकारी विद्यालयों में दसवीं व 12वीं कक्षा में मेरिट प्राप्त करने वाले कई गांवों के 150 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को इसमें सम्मानित किया जाएगा। शिक्षा के प्रति प्रेरित करने व सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले मेधावी बच्चों का मनोबल बढ़ाने के लिए कार्यक्रम किया जा रहा है।

किश्तों में लूट रही भाजपा सरकार : राजेंद्र

बहादुरगढ़। पूर्व विधायक राजेंद्र सिंह जून ने भाजपा सरकार द्वारा

लगातार पेट्रोल और डीजल के दामों को बढ़ाने की निंदा की है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार आम जनता को राहत देने के बजाय किश्तों में लूट रही है। गत 9 दिनों में पेट्रोल की कीमतों में 4.87 रुपये और डीजल में 4.91 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी कर सरकार ने महंगाई का बोझ बढ़ा दिया है। राजेंद्र सिंह जून ने कहा कि भाजपा सरकार हर मोर्चे पर विफल साबित हो रही है। पहले रसोई गैस और अब पेट्रोल-डीजल को लगातार महंगा कर आम आदमी की कमर तोड़ रही है। भाजपा सरकार बड़े उद्योगपतियों को फायदा पहुंचा रही है।

बढ़ रही बुखार, पेट दर्द व दस्त के मरीजों की संख्या

तेज धूप से लौटने के तुरंत बाद ठंडे पानी का सेवन, हार्ट अटैक का खतरा

रविवार को जिले में अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

दिन प्रतिदिन तापमान में हो रही वृद्धि ने जन जीवन को पूर्णतया प्रभावित कर रखा है। तेज धूप में चलते समय या घर लौटने पर तुरंत फ्रिज के ठंडे का पानी का सेवन करना जहां लोगों की सेहत बिगाड़ सकता है वहीं इससे दिल संबंधी बीमारियों का खतरा भी बढ़ सकता है। ऐसे में लोगों को गर्मी से बचने के लिए अधिक सावधानी बरतने की जरुरत है। जानकारों का मानना है कि गर्मी में थकान, बेहोशी, डिहाईर्डेशन आम बात है लेकिन इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। यदि हार्ट के मरीज ऐसे समय में ज्यादा स्ट्रेस लेते हैं तो इससे खतरा और बढ़ सकता है। तेज गर्मी में शीतल पेय का सेवन से शरीर का एकदम से तापमान बदल जाता है जिससे जुखाम और बुखार होने की संभावना रहती है। रविवार को अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। आगामी दिनों में तापमान में और अधिक वृद्धि होने का अनुमान मौसम विशेषज्ञों द्वारा लगाया जा रहा है।

झज्जर। दोपहर के समय गर्मी से बचने के लिए कपड़े से सिर ढककर सड़क पर जाते हुए युवक। फोटो : हरिभूमि

ये बरतें सावधानियां

वरिष्ठ चिकित्सक मोनिल कादियान ने बताया कि गर्मी के दिनों में घर या दफ्तर पहुंच कर तुरंत एसी में न बैठे, जहां तक संभव हो बाहर के खाने से परहेज करें, शरीर के तापमान को नियंत्रित रखने की कोशिश करें, मसालेदार, ऑयली चीजों से दूरी बनाए, चाय-कॉफी या नमक का इस्तेमाल भी कम करें। हार्ट के मरीज रोजाना 6 से 7 लीटर पानी पियें, सिर दर्द, चक्कर आना, थकान महसूस करने के लक्षण होने पर चिकित्सक की राय लें।

ओपीडी में मरीजों की संख्या में इजाफा

वरिष्ठ चिकित्सक मोनिल कादियान ने बताया कि गर्मी बढ़ने के साथ-साथ ओपीडी में मरीजों की संख्या में इजाफा हो रहा है। लोग पेट दर्द, दस्त व बुखार आदि की बीमारी से परेशान है। लोगों को इन बीमारियों से बचने के लिए अपने खान-पान पर ध्यान देने की आवश्यकता है। गर्मी में जहां अधिक से अधिक पानी पीने की कोशिश करें वहीं जहां तक संभव हो अधिक ठंड़े पानी का परहेज करें।

भीषण गर्मी में खिलाड़ियों को मिलेगी राहत, स्टेडियम में लगा वाटर कूलर

झज्जर। शहर के स्वामी दयानंद सरस्वती स्टेडियम में रविवार को खिलाड़ियों और आमजन की सुविधा के लिए वाटर कूलर स्थापित किया गया है। भीषण गर्मी को देखते हुए प्रिया कॉलोनी निवासी सूबेदार मेजर जोगिंद्र सिंह नांदल, राकेश और विकास द्वारा यह व्यवस्था की गई। जिला खेल अधिकारी सत्येंद्र नांदल ने रिबन काटकर वाटर कूलर का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि स्टेडियम में प्रतिदिन बड़ी संख्या में खिलाड़ी अभ्यास के लिए आते हैं। उनके साथ परिजन और अन्य नागरिक भी परिसर में पहुंचते हैं, इसलिए ठंडे और स्वच्छ पानी की व्यवस्था जरूरी थी। उन्होंने इस योगदान को सराहनीय बताते हुए कहा कि मानव सेवा सबसे बड़ा धर्म है और ऐसे कार्य समाज में सकारात्मक संदेश देते हैं। इस दौरान सूबेदार मेजर जोगिंद्र सिंह नादंल ने कहा कि खिलाड़ियों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना समाज की जिम्मेदारी है, क्योंकि खिलाड़ी देश और प्रदेश का नाम रोशन करते हैं। समर्थ लोगों को इस प्रकार के कार्यों के लिए आगे आना चाहिए। इस मौके पर बलवान नांदल, बॉक्सिंग कोच हितेश देशवाल, दीपक, विजय कुमार, धर्मपाल सिंह, भूदेव गुलिया, अनिल गुलिया, रामवीर लोहचब, अशोक यादव, सुरेंद्र मलिक, मोहित मलिक, राहुल मलिक, योगेश नांदल, रोहित नांदल, तेजपाल आदि उपस्थित रहे।

जटिया बस्ती में बिजली के लटकते तार बने परेशानी

झज्जर। गली में लटकी तारों को दिखाते हुए गलीवासी। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

पुराना बस स्टैंड रोड स्थित जटिया बस्ती के निवासियों को बिजली के लटकते हुए तारों के कारण परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कालोनीवासी प्रदीप, राजेश, रामकिशन, धीरज, नरेश, अंशु, जगमोहन आदि ने बताया कि गली में जाने वाली इन बिजली तारों में जगह-जगह जोड़ होने के कारण इनमें शार्ट सर्किट होते रहते हैं जिसके बाद गुल हुई बिजली कई-कई घंटों बाद बहाल हो पाती है। कालोनीवासियों ने बिजली निगम एसडीओ को शिकायत देकर मौका मुआयना कर नई तार डालने की मांग की है। दी गई शिकायत में कहा कि बीस मई को जब शार्ट-सर्किट हुआ और उसके बाद कर्मचारी ठीक करके चले गए तो दोपहर को ही फिर से हुए शार्ट सर्किट के कारण तार टूट कर जमीन पर गिर गई। आए दिन होने वाली इस प्रकार की घटनाओं के कारण बच्चों के चपेट में आने का खतरा भी बना है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों से अनुरोध किया है कि वे गली में लटकी तारों की स्थिति का निरीक्षण करें तथा यथाशीघ्र नई तार बदलने की कार्रवाई करें।

डॉक्टर नीलम रंगा को मिला बेस्ट होल्डर अवार्ड

झज्जर। ग्रामीण क्षेत्र की बेटियां आज किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं। अपनी मेहनत, लगन और प्रतिभा के दम पर वे देशभर में नई पहचान बना रही हैं। जिले के गांव माछरौली निवासी डॉक्टर नीलम रंगा को रमनकांत मुंजाल फाउंडेशन द्वारा संचालित हीरो आशा एजुकेशन सेंटर द्वारा बीएमएल मुंजाल इंपेक्ट अवार्ड के अंतर्गत बेस्ट एलुमनस के रूप में चुना गया। डॉक्टर नीलम रंगा को यह बेस्ट होल्डर अवार्ड दिल्ली के इंडिया हेबीटेट सेंटर में आयोजित समारोह में प्रदान किया गया। अवार्ड के रूप में उन्हें एक लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि, 250 ग्राम चांदी का स्मृति चिन्ह व प्रशस्ति पत्र एवं अन्य आकर्षक उपहार प्रदान किए गए। समारोह में उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि हरियाणा की बेटियां शिक्षा, चिकित्सा, खेल, प्रशासनिक तथा सामाजिक क्षेत्रों में लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं और देश-दुनिया में प्रदेश का नाम रोशन कर रही हैं। इस मौके पर राहुल मुंजाल, पूजा मुंजाल, प्रसिद्ध अभिनेत्री नीना गुप्ता आदि ने डॉ. नीलम रंगा को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

जिले में 15 जून से शुरू होगा मतदाता सूचियों के सत्यापन का विशेष अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) के तीसरे चरण के तहत हरियाणा में आगामी 15 जून से 22 सितंबर तक मतदाताओं के विवरणों का विशेष सत्यापन किया जाएगा। इसके लिए अधिकारी पूरी ताकत के साथ जुट जाएं। यह निर्देश डीसी वर्षा खांगवाल ने एसआईआर को लेकर की जा रही तैयारियों की समीक्षा करते हुए दिए। उन्होंने बताया कि जिले के सभी चारों विधानसभा क्षेत्रों में 807 बीएलओ की तैनाती की जा चुकी है। आगामी 5 जून से 14 जून के बीच जिले के सभी बीएलओ को विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके लिए शेड्यूल फाइनल कर लिया गया है। इसके अलावा, मतदान केंद्रों के युक्तिकरण पर जिला प्रशासन बेहद गंभीरता से काम कर रहा है। जिले में ऐसे 194 मतदान केंद्र चिह्नित किए गए थे जहां मतदाताओं की संख्या 1200 से अधिक है। इनमें से 77 केंद्रों को समायोजित कर लिया गया है, जबकि 82 नए मतदान केंद्र बनाने का एक व्यापक प्रस्ताव तैयार किया गया है, जिसे आगामी 14 जुलाई तक चुनाव मुख्यालय, चंडीगढ़ भेज दिया जाएगा। इन नए प्रस्तावों में बेरी विधानसभा क्षेत्र से 16, झज्जर से 26, बादली से 17 और बहादुरगढ़ से 23 नए पोलिंग स्टेशन शामिल हैं।

झज्जर। बैठक के दौरान आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए डीसी वर्षा खांगवाल।

अभिभावकों व शिक्षकों ने किया बच्चों की आदतों व शैक्षिक प्रदर्शन पर विचार-विमर्श

झज्जर। कैंब्रिज इंटरनेशनल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भदाना में नर्सरी से बारहवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों की प्रथम इकाई परीक्षा के उपलक्ष्य में अभिभावक-शिक्षक बैठक का आयोजन किया गया। अभिभावकों ने शिक्षकों से अपने बच्चों की शैक्षणिक रिपोर्ट का जायजा लिया। बैठक के दौरान अभिभावकों ने अपने बच्चों की आदतों, रुचियों, शैक्षिक प्रदर्शन एवं समग्र विकास से संबंधित जानकारी शिक्षकों से प्राप्त की। प्रथम इकाई परीक्षा के परिणाम देखकर अभिभावकों के चेहरों पर खुशी, संतोष दिखाई दिया। स्कूल निदेशक धर्मेंद्र जून ने बताया कि विद्यालय में समय-समय पर इस प्रकार की अभिभावक-शिक्षक बैठक का आयोजन किया जाता है, ताकि अभिभावक और शिक्षक मिलकर बच्चों की पढ़ाई, अनुशासन तथा व्यक्तित्व विकास पर विचार-विमर्श कर सकें। अभिभावकों ने विद्यालय की शिक्षण पद्धति, अनुशासन एवं विभिन्न गतिविधियों की सराहना करते हुए विद्यालय परिवार का आभार व्यक्त किया तथा बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए सकारात्मक सुझाव भी दिए।

गांव आसौदा टोडरान की बदहाल गली बनी लोगों के लिए परेशानी

बहादुरगढ़। गांव आसौदा टोडरान की एक गली पिछले करीब दो वर्षों से बदहाल स्थिति में पड़ी हुई है। गली में कीचड़ और गंदा पानी भरा रहने के कारण लोगों का निकलना दूभर हो गया है। स्थानीय निवासियों ने कई बार समस्या उठाई, लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं हो पाया है। ग्रामीणों का कहना है कि बरसात हो या सामान्य दिन, गली में हर समय कीचड़ जमा रहता है, जिससे बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को सबसे ज्यादा परेशानी झेलनी पड़ रही है। इलाके के एक बीमार वृद्ध को डॉक्टर ने रोजाना टहलने की सलाह दी थी, लेकिन गली की खराब हालत के कारण वे बाहर निकलने तक में असमर्थ हैं। ग्रामीण संदीप, लाभ सिंह, जोगेंद्र, राज सिंह, बुजुर्ग सीतार सिंह, सुनीता, गीता और नीरू समेत अन्य लोगों ने प्रशासन से जल्द गली की मरम्मत और जल निकासी की व्यवस्था कराने की मांग की है। लोगों का कहना है कि समस्या का समाधान नहीं होने से पूरे मोहल्ले में रोष बना हुआ है।

जनशिकायतों के समाधान के लिए जिला और उपमंडल स्तर पर आज लगेंगे समाधान शिविर

झज्जर। आमजन की समस्याओं के त्वरित, पारदर्शी एवं प्रभावी समाधान के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा सोमवार को जिला मुख्यालय सहित सभी उपमंडलों में समाधान शिविर सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक लगाए जाएंगे। प्रवक्ता ने बताया कि जिला स्तरीय समाधान शिविर में डीसी वर्षा खांगवाल जबकि उपमंडल स्तर पर आयोजित समाधान शिविरों में संबंधित एसडीएम आमजन की समस्याएं और शिकायतें सुनेंगे। डीसी ने अधिकारियों को शीघ्र समाधान के निर्देश दिए।

सात दिवसीय संत सम्मेलन एवं कथा का समापन

श्रद्धालुओं को प्रेम, भाईचारे व सदाचार का दिया संदेश

■ आध्यात्मिक आयोजन समाज में सकारात्मक ऊर्जा और संस्कारों का करते हैं संचार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

शहर के श्री शांति प्रेम मंदिर में आयोजित पुरुषोत्तम मास विशेष संत सम्मेलन एवं श्रीमद्भागवत कथा मूल पाठ का रविवार को श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ समापन हो गया। सात दिनों तक चले इस धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर सत्संग, कथा अमृत और नाम सिमरन का लाभ उठाया।

श्री हरमिलाप मिशन की पावन गद्दी पर आसीन 12वें सद्गुरुदेव श्रीश्री 108 श्री मदन मोहन हरमिलापी जी महाराज के पावन सान्निध्य में श्री शांति प्रेम मंदिर में पावन पुरुषोत्तम मास के शुभ अवसर पर विशेष संत सम्मेलन एवं श्रीमद्भागवत कथा मूल पाठ का दिव्य आयोजन किया गया। वृंदावन से पधारे श्री हित हरिशरण जी महाराज ने प्रवचनों से श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। सोमवार 18 मई को श्री प्रेम मंदिर पानीपत की पावन गद्दी पर आसीन श्रद्धेय पूज्या श्रीश्री 108 श्री कांता देवी बहन जी महाराज, मंगलवार को टिकाणा लऊवाला कलानौर से महंत बाबा हरपालदास जी महाराज, बुधवार को रोहतक की परम सिद्धपीठ संकटमोचन धाम की गद्दीनशीन साध्वी मानेश्वरी देवी, वीरवार को अमरधाम श्री हरि मंदिर फर्रुखनगर से परम पूज्य डॉ. स्वामी उमानंद जी महाराज, शुक्रवार को रामनगर नैनीताल से श्री शंशाक भारद्वाज जी और शनिवार को श्रीराम भक्ति सागर सोनीपत से कथा व्यास राजेश जी ने मानव जीवन में धर्म, सेवा और सत्संग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए श्रद्धालुओं को प्रेम, भाईचारे और सदाचार का संदेश दिया। रविवार को गुरु प्रसाद का वितरण भी किया गया। बहन मिनाक्षी और बहन कमलेश समेत मंदिर प्रबंधन समिति ने सभी संत-महात्माओं, श्रद्धालुओं और सहयोगकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आध्यात्मिक आयोजन समाज में सकारात्मक ऊर्जा और संस्कारों का संचार करते हैं। श्रद्धालुओं ने पूरे परिवार सहित पहुंचकर आयोजन में भाग लिया और मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से गूंज उठा।

बहादुरगढ़। श्री शांति प्रेम मंदिर में प्रवचन करते संत महत्मा। फोटो : हरिभूमि

एलए सीसे स्कूल में हुई पीटीएम में दी पीरियोडिक टेस्ट परिणामों की जानकारी

झज्जर। एलए सीनियर सेकेंडरी स्कूल में रविवार को पीरियोडिक टेस्ट परिणामों को लेकर प्री-नर्सरी से बारहवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के लिए पीटीएम का आयोजन किया गया। स्कूल प्राचार्या निधि कादियान ने बताया कि शिक्षकों द्वारा तैयार की गई पीटी-1 परीक्षा की रिपोर्ट अभिभावकों के समक्ष पेश की गई। स्कूल प्रबंधक केएम डागर ने सभी अभिभावकों को बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए इस पीटीएम की सार्थकता बारे जानकारी दी। स्कूल डायरेक्टर जगपाल गुलिया, जयदेव दहिया, अनिता गुलिया, नीलम दहिया, योजित गुलिया व भविष्य दहिया ने पीटीएम को सफल बनाने पर एचओडी रविंद्र लोहचब, पिंकी अहलावत, पुष्पा यादव, सपना अहलावत, डीपीई अमित लोहचब, विशाल कुमार, जितेंद्र, रितिका व मुकेश शर्मा की सराहना की।

रा व मा वि
तलाव 2360 (झज्जर)
नीलामी सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि दिनांक 28-05-2026 को रा व मा वि तलाव 3260 (झज्जर) के जर्जर भवन की नीलामी दोपहर 2 बजे विधालय परिसर में खुली बोली होनी है। इच्छुक ठेकेदार / एजेंसी दिनांक 28-05-2026 को दोपहर 12 बजे तक नीलामी राशी 8,39,000/- का 10 प्रतिशत डिमांड ड्राफ्ट विधालय कार्यालय में जमा करवाने उपरांत ही खुली बोली में भाग ले सकता है। सफल बोली दाता को बकाया राशि मौके पर जमा करनी होगी अन्य शर्तें व विस्तृत जानकारी के लिए कार्य दिवस को विद्यालय में संपर्क कर सकते हैं। संपर्क सूत्र 9896670572, 9728259494
प्र ग. सी. सै. स्कूल
तलाव-3260 (झज्जर)

रा व मा वि
गोच्छी 3086 (झज्जर)
नीलामी सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि दिनांक 01-06-2026 को रा व मा वि गोच्छी 3086 ब्लॉक बेरी जिला झज्जर के नकारा भवन जिसमें 18 कमरे व उनके सामने बरामद व 1 हॉल शामिल हैं की नीलामी सुबह 11:30 बजे विद्यालय प्रांगण में होनी है। जिसकी अनुमानित राशि 10,21,000/- रुपये है सर्वाधिक बोली लगाने वाले को ठेका दिया जाएगा। बोलीदाता को बोली का 10 प्रतिशत डिमांड ड्राफ्ट टोकन के रूप में तथा कुल राशि का 25 प्रतिशत बोली के तुरंत बाद विद्यालय कार्यालय में जमा कराना होगा। बोली स्थल को तय समय में समतल करके देना होगा। अन्य शर्तें मौके पर बता दी जाएंगी। नीलामी निरस्त करने का पूर्ण अधिकार कमेटी के पास होगा।
प्रा,राव्रमावि गोच्छी 3086 बेरी, झज्जर

रा प्रा पा
छुछकवास 13189 (झज्जर)
नीलामी सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि स्वतंत्रता सेनानी श्री पाला सिंह राजकीय प्राथमिक पाठशाला छुछकवास 13189 (झज्जर) के नकारा घोषित हो चुके दो कमरों व उनके सामने जुड़े बरामदा की नीलामी दिनांक 03-06-2026 को दोपहर 2 बजे होनी है। नकारा भवन की सुरक्षित कीमत 2,13000/- (दो लाख तेरह हजार रुपये) है। प्रत्येक बोली दाता को नीलामी की राशि का 10 प्रतिशत का डीडी टोकन के रूप में जिला मौलिक शिक्षा अधिकरी झज्जर के नाम देना होगा। बोली के अतिरिक्त नियन व शर्तें मौके पर सुना दी जाएंगी।
स्कूल इंचार्ज व एसएमसी प्रधान
स्वतंत्रता सेनानी श्री पाला सिंह
रा. प्रा. पा. छुछकवास 13189 (झज्जर)

मिसाल: सौंधी गांव के 14 साल के अंशु ने अंगदान कर दी 6 लोगों को नई जिंदगी

- सड़क हादसे के बाद पीजीआईएमएस में हुआ था ब्रेन डेड
- दो माह में पीजीआईएमएस में पांचवा अंगदान

रोहतक। कुलपति व उनकी टीम बाक्स में रखे लीवर को सौंपते -अन्य बाक्स में अन्य अंगों को सौंपते हुए। फोटो: हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

पीजीआईएमएस में झज्जर के रहने वाले एक 14 वर्षीय लड़के का ब्रेन डेड होने के बाद रविवार को अंगदान करवाया गया। बच्चे के लीवर, किडनी और दोनों कॉर्निया के दान से 6 मरीजों को नया जीवन मिलेगा। ब्रेन डेड युवक की पहचान झज्जर के गांव सौंधी निवासी 14 वर्षीय अंशु पुत्र विकास के रूप में हुई। अंशु बाइक से 18 मई को गांव में ही अपनी मां को लेने के लिए जा रहा था, इसी दौरान बोलेरो पिकअप ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे के बाद ग्रामीणों ने परिजनों को बताया तो वह घायल अंशु को लेकर एसजीटी अस्पताल पहुंचे। हेल्थ यूनिवर्सिटी के वीसी प्रो. एचके अग्रवाल ने बताया कि जब ब्रेन डेड युवक के परिजनों की सहमति मिली तो राज्य अंग और ऊतक प्रत्यारोपण संगठन टीम को सूचना दी गई। इसके बाद रोटो को सूचना मिली और रोटो से नोटो को सूचना दी गई। इस मासूम के अंगदान से 6 लोगों को नया जीवन मिलेगा। 2 किडनी पीजीआईएमएस के ही दो मरीजों को लगेंगी। 2 कॉर्निया से दो लोगों को आंखों की रोशनी मिलेगी। लिवर को दिल्ली आईएलबीएस भेजा गया है, जहां स्प्लिट लिवर तकनीक से उसे 2 मरीजों में लगाया जाएगा। यानी एक लिवर, दो जिंदगियां। सुबह साढ़े आठ बजे से करीब एक बजे तक ऑप्रेशन कर अंगदान करवाया गया।इसके लिए ग्रीन कॉरिडार बनाए गए।

20 मई को पीजीआई लाया गया था अंशु

20 मई को जब 14 साल के बचे को पीजीआईएमएस के ट्रॉमा सेंटर लाया गया तो उसकी सांसें उखड़ रही थीं। आईसीयू इंचार्ज डॉ. तरुण यादव और उनकी टीम ने उसे सम्भाला। सिर की चोट के साथ-साथ किडनी में भी काफी समस्या थी। डॉ तरुण ने बताया कि नेफ्रोलॉजिस्ट डॉ. अंकुर गोयल के साथ मिलकर उन्होंने एक टीम की तरह जब मरीज ट्रॉमा आईसीयू में भर्ती हुआ था तो गंभीर सिर की चोट के साथ उसकी किडनी फेल हो रही थी। पीजीआई के ट्रांसप्लांट प्रभारी डॉ अंकुर ने बताया कि डॉ. तरुण यादव, निश्चेतना विशेषज्ञ और उनके द्वारा समय पर किए गए उपचार से दो दिन के भीतर ही मरीज की किडनी की कार्यप्रणाली सुधर गई और सामान्य हो गई। किडनी ठीक हुई तो लगा शायद चमत्कार हो जाए, लेकिन 22 मई की सुबह 9 बजे न्यूरोसर्जरी विभाग के डॉ. अमरनाथ, डॉ तरुण ओर डॉ महिपाल की टीम ने चिकित्सा अधीक्षक डॉ कुंदन मित्तल के नेतृत्व में बनी कमेटी ने जांच में पाया कि बच्चा अब ब्रेन स्टेम डेड है।

मेरा बेटा मरा नहीं, वो तो 6 घरों में जिंदा है

यह सुनते ही पिता के पैरों तेले से जमीन हिल गई, आंखें पथरा गईं। डॉक्टर साहब, कुछ तो करो मेरा एक ही बेटा है उनकी आवाज में जिंदगी भर का दर्द था। ऐसे में परिवार ने इस दुख की घड़ी में दूसरों के परिवार के आंसू पूछने का साहसिक फैसला लिया। सोटो हरियाणा की टीम के नोडल अधिकारी डॉ सुखबीर सिंह, ट्रांसपोर्ट कोऑर्डिनेटर रोहित, दीप्ति और मीडिया सलाहकार राजेश कुमार ने परिवार को अंगदान का महत्व बताया और समाज के लिए नेक कार्य करने की सलाह दी।

अंश के पिता को सर्टिफिकेट सौंपते हुए कुलपति

खबर संक्षेप

मां पर कुल्हाड़ी से हमला करने वाला गिरफ्तार

झज्जर। पुलिस की एक टीम द्वारा मां पर कुल्हाड़ी से जानलेवा हमला करने मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी पुत्र को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी पर जिला पुलिस द्वारा पांच हजार रुपये का इनाम भी घोषित किया हुआ था। चौकी प्रभारी उप निरीक्षक सतबीर कुमार ने बताया कि एक महिला ने शिकायत पर मामला दर्ज किया गया था। मामले में कार्रवाई करते हुए उप निरीक्षक मुकेश कुमार की टीम ने एक आरोपी को पकड़ा है। पकड़े गए आरोपी की पहचान राजेश निवासी खेतावास, जिला झज्जर के रूप में हुई है। आरोपी के खिलाफ नियमानुसार मामला दर्ज करते हुए स्थानीय अदालत में पेश किया गया। आरोपी को पूछताछ के लिए एक दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है। पुलिस रिमांड के दौरान आरोपी से वारदात में प्रयोग की गई कुल्हाड़ी और आरी बरामद कर ली गई है। रिमांड अवधि पूरी होने के बाद आरोपी को स्थानीय अदालत में पेश किया गया। जहां से अदालत के आदेशानुसार आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

छह माह से अधर में पड़ा सड़क निर्माण, धूल और गड्ढों से राहगीर परेशान

सिलानी गेट चौक से महाराजा अग्रसेन चौक तक की सड़क की हालत खस्ता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

शहर में सिलानी गेट चौक से दिल्ली गेट स्थित महाराजा अग्रसेन चौक तक की सड़क की हालत बदहाल है। पीडब्ल्यूडी बीएंडआर द्वारा प्रशासनिक मंजूरी के बाद इस सड़क के निर्माण की सुध ली थी। करीब छह माह पहले सड़क किनारे लाइन बिछाने के बाद लोगों को उम्मीद थी कि जल्द ही सड़क निर्माण कार्य शुरू होगा, लेकिन जब उन्हें पता चला कि यह रोड सीसी या तारकोल से नहीं बल्कि पेवर ब्लॉक बिछाकर बनाया जाएगा तो लोगों द्वारा इसका विरोध किया गया और सड़क निर्माण ठंडे बस्ते में चला गया। उस दौरान विभाग का मानना था कि पेवर ब्लॉक बिछने पर रोड तोड़ने की जरूरत नहीं पड़ेगी और किसी भी प्रकार की लाइन बिछाने के समय ब्लॉक हटाकर काम चलाया जा सकेगा। लेकिन दुकानदारों इसका विरोध जताते हुए सीमेंट कंक्रीट का बनाने का मांग की थी। इसके बाद से अभी तक इस सड़क निर्माण की दिशा में कोई कदम नहीं उठाया गया जिस कारण स्थानीय दुकानदारों, राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। सड़क पर जगह-जगह गड्ढे बन चुके हैं। दिनभर उड़ती धूल के कारण बाजार में कारोबार प्रभावित हो रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद संबंधित विभाग की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की जा रही।

झज्जर। दिल्ली गेट महाराजा अग्रसेन चौक जाने वाली बदहाल सड़क। फोटो: हरिभूमि

वाहन चालकों को परेशानी

सड़क पर बने गड्ढों के कारण आए दिन वाहन चालक परेशान होते हैं। कई बार दोपहिया वाहन चालक गिरते-गिरते बचते हैं। प्रशासन को जल्द इस ओर ध्यान देना चाहिए। उनकी दुकान कच्चा बादली रोड पर हैं, वे नियमित इस सड़क से आते-जाते हैं। -दुकानदार विक्की

दुकानदारी प्रभावित

बाजार के दुकानदार लंबे समय से सड़क निर्माण का इंतजार कर रहे हैं। टूटी सड़क और उड़ती धूल से व्यापार पर सीधा असर पड़ रहा है। लोगों का इस तरफ आना कम हो गया है। अधिकांश ग्राहक साथ लगते रोड की दुकानों का रुख करने लगे हैं। -दुकानदार प्रवीण कुमार

नहीं सुधरे हालात

लाइन डालने के दौरान उन्हें उम्मीद जगी थी कि सड़क निर्माण के बाद हालात सुधर जाएंगे, लेकिन महीनों बीत जाने के बाद भी हालत जस के तस हैं। धूल के कारण दुकान पर जहां बैठना मुश्किल हो जाता है वहीं ग्राहकों की संख्या भी लगातार कम हो रही है। -दुकानदार अभिषेक

बरसात के दिनों में बढ़ेगी परेशानी

बरसात के दिनों में यह सड़क और भी खतरनाक हो जाएगी। मुख्य सड़क होने के कारण इस पर वाहनों का आवागमन भी अधिक रहता है। गड्ढों में पानी भरने से हादसे का डर रहेगा। इसलिए समय रहते प्रशासन को सड़क निर्माण करना चाहिए। -टैंपो चालक अमित

न्यूज डायरी

नि:शुल्क हेल्थ शिविर में आंखों की जांच

बहादुरगढ़। रविवार को गीतांजलि आई एंड ऑर्थो फिजियो केयर हॉस्पिटल में निशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में पार्षद सुनैना मलिक ने शिविर का शुभारंभ किया। इस दौरान लोगों ने अपनी आंखों की जांच करवाई और विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श लिया। सुनैना संजीव मलिक ने कहा कि समय-समय पर आंखों की जांच करवाना बेहद जरूरी है। ऐसे शिविर लगातार आयोजित किए जाने चाहिए ताकि आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें। शिविर में डॉ. प्रीति ने गर्मी के मौसम में आंखों की विशेष देखभाल करने की सलाह दी। कैंप में श्रीभगवान, मास्टर रोहताश यादव, नरेंद्र, दिलबाग, प्रेम छिकारा, मुकेश देवी आदि उपस्थित रहे।

काव्य कुंज में हुई काव्य गोष्ठी

बहादुरगढ़। अखिल भारतीय साहित्य परिषद के तत्वावधान में रविवार को सेक्टर-9 स्थित काव्य कुंज में मासिक काव्य गोष्ठी हुई। संस्था के जिलाध्यक्ष विरेंद्र कौशिक के सानिध्य में हुए कार्यक्रम में कवियों ने देश और दुनिया की अनेक घटनाओं पर अपनी भावपूर्ण रचनाएं प्रस्तुत कीं। मुकेश व्यास की व्यंग्य रचना से शुरू हुए इस काव्योत्सव में अनिल भारतीय व दिल्ली से पधारे कुमार मुन्ना दिलेरी ने श्रंगार रस के मुक्तक सुनाकर खूब वाहवाही लूटी। कवयित्री अर्चना झा हिना ने महिला सशक्तिकरण के तमाम दावों के बावजूद आए दिन घट रही कुछ दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं पर केंद्रित एक मार्मिक गीत सुनाया। उत्तराखंड के गीतकार वेद भारती ने जिंदगी और मौत की भूमिका पर आधारित एक गीत तथा हास्य कवि सुरेश कौशिक ने रोचक मुक्तक सुनाकर सभी को मंत्रमुग्ध किया। परिषद की जिला इकाई के संरक्षक कवि कृष्ण गोपाल विद्यार्थी ने अतिथि कवियों का आभार जताने के अलावा लोकतंत्र की नयी सोच कॉकरोच पर आधारित व्यंग्यपूर्ण कविता भी सुनाई।

त्रिवेणी में हुई एनडीए जागरूकता कार्यशाला

बहादुरगढ़। त्रिवेणी मेमोरियल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों के लिए एक प्रेरणादायी एवं ज्ञानवर्धक एनडीए जागरूकता कार्यशाला हुई। इसमें विद्यार्थियों को भारतीय सशस्त्र बलों में उज्ज्वल भविष्य बनाने के लिए मार्गदर्शन दिया गया। कार्यक्रम में काउंसलर निधि डबास ने विद्यार्थियों को एनडीए परीक्षा, चयन प्रक्रिया एवं करियर संभावनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी। साथ ही भूतपूर्व ओटीए अधिकारी कैप्टन रजत दहिया ने अपने अनुभवों के माध्यम से विद्यार्थियों को सेना में आवश्यक अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास एवं सकारात्मक सोच के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने विद्यार्थियों को एसएसबी इंटरव्यू की तैयारी, व्यक्तित्व विकास, समय प्रबंधन एवं मानसिक दृढ़ता से संबंधित महत्वपूर्ण सुझाव दिए। विद्यार्थियों ने बड़ी उत्सुकता के साथ कार्यशाला में भाग लिया तथा एनडीए से संबंधित विभिन्न प्रश्न पूछकर अपने संदेहों का समाधान प्राप्त किया।

सिटी फॉरेस्ट में जीवों के लिए एक और तालाब बनाया

बहादुरगढ़। भीषण गर्मी व जल संकट को देखते हुए रोहतक-दिल्ली रोड स्थित रतन टाटा सिटी फॉरेस्ट में एक और तालाब का निर्माण किया गया है। इस तालाब का उद्देश्य गर्मी के मौसम में बेजुबां जीवों को राहत पहुंचाना और उनका जीवन सुरक्षित रखना है। जीव प्रेमी रजत, प्रदीप ने बताया कि इस फॉरेस्ट में मोर, खरगोश, सहित कई छोटे जीव तथा पक्षी हैं। इन दिनों भीषण गर्मी पड़ रही है। ऐसे में इन जीवों को पानी की कमी न हो, इसलिए यहां एक और बड़े पोंड की व्यवस्था की जा रही है। हालांकि इससे पहले यहां चार और छोटे बड़े पोंड हैं। पर्यावरण प्रेमियों ने शहरवासियों से अपील करते हुए कहा कि हमारे शहर व आसपास प्राकृतिक जल संसाधनों का घोर अभाव है। इसलिए गर्मी को देखते हुए घरों की छत, बालकनी या आंगन में पक्षियों के लिए मिट्टी के बर्तन में पानी अवश्य रखें। साथ ही घर के बाहर गली-मोहल्ले में बेसहारा पशुओं व गायों के लिए भी किसी बड़े बर्तन में पानी का इंतजाम जरूर करें।

हरदीप ने एशियन चैंपियनशिप में जीता कांस्य पदक

बहादुरगढ़। विएतनाम में चल रही एशियन कुश्ती चैंपियनशिप में बहादुरगढ़ का पहलवान हरदीप छिल्लर छाया रहा। शानदार प्रदर्शन करते हुए हरदीप ने हेवीवेट 130 किलोग्राम ग्रीकोरोमन कैटेगिरी में देश के लिए कांस्य पदक जीता। उसके प्रदर्शन पर परिजनों और साथी पहलवानों ने खुशी जताई है। जीतकर लौटने पर उसका जोरदार अभिनंदन किया जाएगा।

पहलवान हरदीप बहादुरगढ़ के गांव बामड़ोली का रहने वाला है और पिछले कुछ वर्षों से हिंद केसरी सोनू अखाड़े में अभ्यास कर रहा है। अर्जुन अवॉर्डी कोच धर्मेंद्र दलाल की देखरेख में लगातार उसके प्रदर्शन में निखार आ रहा है। इसले सब जूनियर वर्ल्ड व एशियन चैंपियन बन चुका है। सीनियर में पहली दफा देश का प्रतिनिधित्व किया और मेडल जीत लिया। हरदीप के ही अखाड़े का एक और पहलवान सुमित अपने भारवर्ग के सेमीफाइनल में पहुंच चुका है। देर शाम को उसके मुकाबले हैं। यकीनन उसके भी मेडल जीतने की प्रबल संभावना है। कोच धर्मेंद्र दलाल ने कहा कि हरदीप बेहद होनहार पहलवान है। लगातार बेहतर प्रदर्शन कर देश का नाम रोशन कर रहा है।

अभिभावक शिक्षक बैठक में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा नैतिक मूल्यों, चहुंमुखी विकास पर की चर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

क्षेत्र के गांव खातीवास स्थित संस्कारम पब्लिक स्कूल खातीवास में रविवार को अभिभावक शिक्षक बैठक का आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉक्टर प्रीति गोयल ने व्यक्तिगत रूप से अभिभावकों से मुलाकात की और बच्चों की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, नैतिक मूल्यों तथा उनके सर्वांगीण व चहुंमुखी विकास को लेकर अपने महत्वपूर्ण विचार साझा किए। डॉक्टर प्रीति गोयल ने अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा कि एक बच्चे के सुनहरे भविष्य की नींव घर और विद्यालय के बीच के मजबूत तालमेल पर ही टिकी होती है। उन्होंने अभिभावकों द्वारा दिए गए बहुमूल्य सुझावों का स्वागत किया और आश्वस्त किया कि विद्यालय प्रबंधन हर छात्र को आधुनिक तकनीक और बेहतरीन माहौल प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। बैठक के दौरान कक्षा अध्यापकों ने अभिभावकों के साथ बच्चों के शुरुआती शैक्षणिक प्रदर्शन, उनकी रचनात्मक प्रतिभा और कक्षा में उनकी भागीदारी से जुड़ा प्रगति पत्र साझा किया।

झज्जर। बैठक में चरचा करते हुए अभिभावक और शिक्षक। फोटो: हरिभूमि

सेमिनार में 417 विद्यार्थियों की काउंसलिंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

मिलन एजुकेशनल एंड चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा शहर के गौरैया पर्यटन केंद्र सभागार में रविवार को निःशुल्क कैरियर काउंसलिंग सेमिनार आयोजित किया गया। सुबह 10 बजे से 4 बजे तक एडमिशन व एजुकेशन फेयर में 417 विद्यार्थियों ने कैरियर को चुनने के लिए कई विशेषज्ञों से बातचीत करते हुए उचित मार्गदर्शन हासिल किया।

कई विद्यार्थियों के साथ उनके अभिभावकों ने भी प्रतिनिधियों से सवाल जवाब करते हुए बच्चों के कैरियर संबंधी आवश्यक जानकारी ली। ट्रस्ट चेयरमैन संजीव सांगवान ने बताया कि इस एजुकेशन फेयर से छात्र-छात्राओं को भविष्य के बेहतर विकल्प तलाशने में मदद मिलेगी। सेमीनार में दिल्ली, गुरुग्राम, सोनीपत, रोहतक व बहादुरगढ़ समेत कई कॉलेज व यूनिवर्सिटी के प्रतिनिधियों ने छात्र-छात्राओं की निःशुल्क काउंसलिंग करके उन्हें कैरियर संबंधी जानकारी दी। ट्रस्ट चेयरमैन संजीव सांगवान व निदेशिका ज्योति सांगवान ने बताया कि 12वीं कक्षा पास करने के बाद काफी बच्चों में असमंजस रहता है। इसे लेकर अनेक विद्यार्थी परेशान व तनाव में भी रहते हैं। कैरियर काउंसलिंग मेले में दिल्ली-हरियाणा के विभिन्न शहरों व गांवों से आये 417 विद्यार्थियों ने अपनी रुचि अनुसार विषय के बारे में सवाल जवाब किए।

बहादुरगढ़। एडमिशन व एजुकेशन फेयर में कैरियर संबंधी जानकारी लेते विद्यार्थी।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, गणपति ट्रैवल्र्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़
झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर
फोन : 8295738500, 8814999142, 8295157800, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धांजलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/-
10×8 सें.मी		रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
झज्जर : हरिभूमि कार्यालय, पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, फोन : 8295876400
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, रोहतक रोड, गणपति ट्रैवल्स के ऊपर, 8295852900

समर ओपन में जिले के एथलीट्स ने दिखाया दमखम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

जिला एथलेटिक्स संघ द्वारा रविवार को शहर के डॉ. भीमराव अंबेडकर स्टेडियम में जिला स्तरीय समर ओपन एथलेटिक्स प्रतियोगिता आयोजित की गई। अंडर-14, 16, 18, 20 व ओपन आयुवर्ग में आयोजित प्रतियोगिता में जिले के 300 खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। एथलेटिक्स संघ के सचिव भीम अवार्डी चरण सिंह राठी ने विजेताओं को पुरस्कृत किया। प्रतियोगिता के दौरान मुख्यतिथि के रूप में गांव सराय औरंगाबाद के सरपंच राकेश राठी ने शिरकत की। उन्होंने खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया। प्रतियोगता की 100 मीटर दौड़ में हेमंत ने स्वर्ण, ईशान ने रजत व मनीष ने कांस्य पदक जीते। गोला फैंकने में करण ने स्वर्ण, रोहित बधवार ने रजत व कुलजीत रंगा ने कांस्य पदक जीता। जैवलिन थ्रो में गौरव ने स्वर्ण, मनीष ने रजत व कृष ने कांस्य पदक जीता। सरपंच राकेश राठी, चरण सिंह राठी, प्रधान जयप्रकाश, सुनील, रिंकू, रविंद्र व नवीन छिल्लर आदि ने विजेता खिलाड़ियों को मेडल व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

बहादुरगढ़। कोच के साथ गुरु तेग बहादुर एथलेटिक क्लब के विजेता खिलाड़ी।

बहादुरगढ़। बहविजेता खिलाड़ी को पुरस्कृत करते चरण सिंह राठी।

गांव लोवा खुर्द में लव कुश फुटबॉल लीग का आगाज

बहादुरगढ़, भापड़ोदा, खेड़ी जसोर ने जीते मुकाबले

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

गांव लोवा खुर्द में लव-कुश फुटबॉल लीग सत्र-5 का आगाज रविवार को हो गया। पहले दिन कई हुए रोमांचक मुकाबलों में छोटे फुटबॉलरों ने गजब की प्रतिभा दिखाई। अंडर-11 में भापड़ोदा ने बहादुरगढ़ पर जीत दर्ज की। अंडर-13 में सिटी बहादुरगढ़ ने लोवा खुर्द को तथा एक अन्य मुकाबले में खेड़ी जसोर ने गोयला कलां को 8-0 के अंतर से हरा दिया। अंडर-15 में लोवा खुर्द ने गोयला कलां को 8-0 के अंतर से हराया। सिटी बहादुरगढ़ व भापड़ोदा के बीच मुकालबा ड्रा हुआ। इसी तरह जहांगीरपुर- बहादुरगढ़ तथा देशलपुर व जहांगीरपुर के बीच हुए मुकाबले भी 1-1 के अंतर से बराबर रहे। मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे हरियाणा ओलंपिक एसोसिएशन के उपाध्यक्ष अनिल खत्री तथा विशिष्ट अतिथि सब इंस्पेक्टर बलवान कादियान ने खिलाड़ियों को आशीर्वाद दिया। मुख्य अतिथि अनिल खत्री ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल युवाओं के बेहतर भविष्य की नींव हैं। फुटबॉल जैसे खेल बच्चों में अनुशासन, टीम भावना और आत्मविश्वास विकसित करते हैं।

बहादुरगढ़। मैच की शुरुआत में अतिथियों के साथ खिलाड़ी। फोटो: हरिभूमि